08 मार्च 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

राजद की सरकार ने महिलाओं और शिक्षा के लिए कुछ नहीं किया: नीतीश 2

बिहार पुलिस सम्मान समारोह 11 को, कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी व जवान होंगे सम्मानित

कर्तव्यनिष्ठ जाबांजों को केशव टाइम्स का सलाम

- केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से डुमरांव के वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज प्रांगण में किया जा रहा कार्यक्रम
- डीजी आलोक राज, डीआईजी सत्य प्रकाश, डीएम अंशुल अग्रवाल, एसपी शुभम आर्य समारोह में रहेंगे उपस्थित

केटी न्यूज/ डुमरांव

तथ्यपरक खबरों के साथ लोकहित के मुद्दों को विशेष रूप से जगह देकर आमजन के बीच अपनी

अलग पहचान बनाने वाला केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने अब कर्तव्यनिष्ठा को सलाम करने की पहल की है। इसी कड़ी में 11 मार्च को केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 का आयोजन किया जा रहा है। वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय डुमरांव में होने वाले इस कार्यक्रम में बक्सर जिला में बेहतरीन और कर्तव्यनिष्ठ कार्य करने वाले बिहार पुलिस के जांबाज पुलिस अधिकारियों व जवानों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आलोक राज, महानिदेशक सह अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना, अतिरिक्त प्रभार, अध्यक्ष, बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी), विशिष्ट अतिथि सत्य प्रकाश पुलिस उप-महानिरीक्षक, शाहाबाद क्षेत्र व विशिष्ट अतिथि अंशुल अग्रवाल, जिलाधिकारी, बक्सर उपस्थित रहेंगे।

पिछले एक साल की उपलब्धियों के आधार पर हुआ है चयन

अतिथियों के हाथों बक्सर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, जिले के दो एसडीपीओ और दो डीएसपी, तीन थानाध्यक्ष, आठ दारोगा व पांच सिपाही सम्मानित होंगे। खास बात यह है कि सम्मानित होनेवाले इन पुलिस अधिकारियों और जवानों का चयन पिछले एक साल की उनकी उपलब्धियों के आधार पर किया गया है। इनमें क्राइम कंट्रोल, शराब तस्करी रोकने, साइबर क्राइम, डायल 112 के तहत इनका विशेष योगदान है। जिन पुलिस अधिकारियों व जवानों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा, इनका चयन बक्सर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से किया गया है। जिला में यह पहला अवसर है कि किसी मीडिया ग्रुप की ओर से पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित करने के लिए एक समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

5 सितंबर को केशव टाइम्स ने गुरुजनों को किया था सम्मानित

आपको बता दें केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप बिहार/उत्तर प्रदेश व झारखंड का लीडिंग डिजिटल न्यूज चैनल है। डिजिटल न्यूज चैनल के साथ-साथ केशव टाइम्स की न्यूज वेबसाइट और ई-न्यूज पेपर भी है। इसमें हम बिहार/उत्तर प्रदेश व झारखंड की प्रमुख खबरों के अलावा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खबरों को जगह देते हैं। इसके साथ ही हम सामाजिक सरोकार में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इसी के तहत केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से 5 सितंबर 2024 को सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसमें शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने के साथ बाल मन को अपने ज्ञानों से सिंचित करनेवाले गुरुजनों को सम्मानित किया गया।

इससे पहले 24 फरवरी 2024 को पटना में भविष्य का बिहार मीडिया कॉन्क्लेव का सफल आयोजन केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से किया गया था। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, बक्सर के वर्तमान सांसद सुधाकर सिंह, कांग्रेस के मदन मोहन झा समेत कई शिक्षा और खेल जगत की हस्तियों ने शिरकत की। सभी ने भविष्य का बिहार कैसा हो, यहां की संभावनाएं, रोजगार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा आदि मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। मीडिया कान्क्लेव का आयोजन कर केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने अन्य मीडिया संस्थानों के सामने एक नजीर पेश की है।

खबरें फटाफट

पटना में शराब लदी कार ने बारातियों को कुचला, 10 घायल

पटना। बिहार में होली को लेकर शराब माफिया शराब की तस्करी खूब कर रहे हैं। इसी कड़ी में पटना के फुलवारीशरीफ में शराब तस्कर की बेलगाम तेज रफ्तार कार से बड़ा हादसा हुआ। देर रात पटना एम्स गोलंबर के पास एक तेज रफ्तार कार ने बारातियों को कुचल दिया। इस घटना में 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मौके पर मौजूद बाराती धीरेंद्र कुमार ने कहा कि हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार का पीछा कर पकड़ लिया। एक तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि कार में दो नंबर प्लेट है। जो जांच में बिहार और झारखंड का नंबर प्लेट पता चला है। कार में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई थी। पुलिस ने गाड़ी के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान मूल रूप से आरा निवासी निखिल कुमार के रूप में हुई है। वर्तमान में वह टी-प्वाइंट दानापुर में रहता है। पटना फुलवारी शरीफ पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस पता लगाने की कोशिश हो रही है कि शराब की यह खेप कहां भेजी जा रही थी। इस रैकेट में कौन-कौन शामिल हैं।

पीएम मोदी ने सूरत में खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का किया शुभारंभ, बोले...

हमारा लक्ष्य हर परिवार को पर्याप्त पोषण देना है ताकि देश कुपोषणमुक्त हो सके

- पीएम बोले- गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे, इसके लिए केंद्र सरकार दो लाख करोड़ रुपये से अधिक कर रही खर्च
- बोले- सूरत अनेक मामलों में गुजरात और देश का एक अग्रणी शहर है

एजेंसी/सूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सूरत में खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह संतृप्ति अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि सूरत अनेक मामलों में गुजरात और देश का एक अग्रणी शहर है। सूरत आज गरीब और वंचित को भोजन और पोषण की सुरक्षा देने में आगे निकल रहा है। यहां आज जो खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान चलाया गया है। यह दूसरे जिलों और राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान सुनिश्चित करता है कि न कोई भेदभाव, न कोई छूटे, न कोई रूठे और न कोई किसी को ठगे। यह अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा। जब सरकार ही लाभार्थी के दरवाजे पर जा रही है, तो कोई छूटेगा कैसे और जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे। जब सोच यह हो कि हमें सब तक लाभ पहुंचाना है, तो ठगने वाले दूर भाग जाते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे संतोष है कि हमारी सरकार गरीबों की सच्ची साथी बनकर खड़ी है। कोविड महामारी के दौरान जब भारत को महत्वपूर्ण सहायता की आवश्यकता थी, तब गरीबों को उचित भोजन मिले, इसके लिए गरीब कल्याण योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि गुजरात सरकार ने इस पहल का विस्तार किया है। आज केंद्र सरकार गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे, इसके लिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है।

सिस्टम से हटाए गए पांच करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड

पीएम मोदी ने कहा कि पहले एक जगह का राशन कार्ड दूसरी जगह नहीं चलता था। हमने इस समस्या का समाधान किया। हमने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। अब राशन कार्ड चाहे कहीं का भी हो, लाभार्थी को उसका फायदा देश के हर शहर में मिलता है। देश में पांच करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड धारक थे। हमारी सरकार ने उन्हें सिस्टम से हटा दिया। हमने राशन सिस्टम को आधार कार्ड से जोड़ा।

महिलाओं को सौंपूंगा अपना सोशल मीडिया अकाउंट: पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैंने देश की नारी शक्ति से अपनी सफलताओं को अपनी उपलब्धियों को, अपने जीवन की प्रेरणादायी यात्रा को नमो एप पर शेयर करने का आग्रह किया। अनेक बहनों-बेटियों ने नमो एप पर अपनी गाथाएं शेयर की हैं। आठ मार्च को महिला दिवस है। महिला दिवस के अवसर पर मैं अपना सोशल मीडिया अकाउंट ऐसी ही कुछ प्रेरणादायी बहनों-बेटियों को सौंपने जा रहा हूं।

सिलवासा को दी 2587 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

सिलवासा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दादरा एवं नगर हवेली के सिलवासा में 2,587 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने नमो अस्पताल के पहले चरण का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज सिलवासा और केंद्र शासित प्रदेश को आधुनिक पहचान मिल रही है। यह ऐसा शहर है जहां हर जगह के लोग रहते हैं। यहां का महानगरीय मिजाज दिखाता है कि कैसे यहां बहुत तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव हमारे लिए सिर्फ केंद्र शासित प्रदेश नहीं हैं, बल्कि हमारा गौरव और विरासत हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव एक शिक्षा केंद्र के रूप में उभरे हैं। पहले मुझे यह देखकर खुशी होती थी कि यहां हिंदी, मराठी, अंग्रेजी और गुजराती सहित चार भाषाएं पढ़ाई का माध्यम हैं। अब मुझे इस बात पर गर्व है कि प्राथमिक और जूनियर स्कूलों में भी बच्चों को स्मार्ट कक्षाओं में शिक्षा मिल रही है। कई साल पहले मुझे यहां बहुत बार आने का अवसर मिलता था। सिलवासा और पूरा दादरा एवं नगर हवेली, दमन-दीव उस समय कितना अलग था। लोगों को भी लगता था कि समुद्र के किनारे इस छोटी सी जगह में क्या हो सकता है! लेकिन मुझे यहां के लोगों के सामर्थ्य पर भरोसा था, आप पर भरोसा था।

घोषणा... महिलाओं को फ्री मिलेगी 200 यूनिट बिजली और बस सेवा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पेश किया गया बजट

- परिवार के सदस्यों द्वारा उपहार में दी गई संपति पर स्टांप शुल्क किया गया शून्य
- प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने के लिए दो एम्स समेत 10 नए नर्सिंग कॉलेज की घोषणा

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य के विकास के लिए बजट पेश किया। इस दौरान विधानसभा में सदन के पटल पर उन्होंने कहा कि राज्य अब स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बीते साल हुए विधानसभा चुनाव के बाद ये पहला बजट राज्य के मुख्यमंत्री ने पेश किया है। बजट में अब्दुल्ला ने दिल्ली की तरह जम्मू-कश्मीर में भी महिलाओं को फ्री बस सेवा की सुविधा दे दी है। इसके साथ ही 200 यूनिट बिजली फ्री देना का भी ऐलान किया है।

उमर अब्दुल्ला ने किसानों के लिए 815 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। उन्होंने अपने भाषण में कहा है कि इन रुपयों से 2.88 लाख रोजगार सृजित होंगे। इन राशियों से बागवानी क्षेत्र में जहां विस्तार होगा वहीं राज्य में दो फसल प्रणाली को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री ने 50 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि साल 2025 को मैं ग्रीन मिशन वर्ष के रूप में मनाने जा रहा हूं। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में सीटी स्कैन की सुविधाएं मिलेंगी। वहीं मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों द्वारा उपहार में दी गई संपत्ति पर स्टांप शुल्क शून्य कर दिया है। इससे पहले तीन से सात प्रतिशत तक स्टांप शुल्क लिया जाता था। अब्दुल्ला सरकार ने प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए दो AIIMS समेत 10 नए नर्सिंग कॉलेज की भी घोषणा की है। बजट में फिल्म निर्माण के तहत इको टूरिज्म बनाने तथा खेलों के लिए बेहतर वातारण देने के बजट आवंटित किया है। पर्यटन के लिए सरकार 390.20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

पंचकूला में फाइटर जेट क्रैश, पायलट की बची जान

एजेंसी/पंचकूला

पंचकूला के मोरनी इलाके में एक फाइटर जेट क्रैश हो गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि बादलवाला गांव के नजदीक फाइटर जेट गिरा। इससे गांव आसपास डर का माहौल पैदा हो गया है। फाइटर जेट गिरने से पहले पायलट ने पैराशूट के जरिए छलांग लगा दी, जिससे पायलट की जान बच गई। फाइटर जेट पूरी तरह जलकर खाक हो गया है और उसके टुकड़े आसपास बिखर गए हैं। वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

इंडियन एयरफोर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, भारतीय वायुसेना का एक जगुआर विमान आज रूटीन ट्रेनिंग के दौरान अंबाला में सिस्टम में खराबी आने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने विमान को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने से पहले उसे जमीन पर किसी भी बस्ती से दूर ले गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए भारतीय वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। बता दें कि विमान ने अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान लहराते हुए पेड़ों से टकराता हुआ जंगल के बीच एक खाई में गिरा था। जेट के गिरते ही उसमें आग लग गई और वह कई हिस्सों में बंट गया। विमान के कुछ टुकड़े आसपास के क्षेत्रों में बिखरे हुए मिले हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार पंचकूला जिले के रायपुररानी के एसएचओ ने बताया, भारतीय वायुसेना का विमान पंचकूला जिले के पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित बाहर निकल आया।

सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन पर जानलेवा हमला का प्रयास

एजेंसी/रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और बीजेपी नेता सीता सोरेन पर जानलेवा हमला हुआ है। जानकारी के अनुसार सीता धनबाद में एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंची थीं इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठा हमलावर ने उन पर हमला कर दिया। संयोग अच्छा था कि समय रहते ही सुरक्षाकर्मियों की सूझबूझ से सीता बाल-बाल बचीं और हमला करने वाले को पकड़ लिया गया है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की बहू और दुर्गा सोरेन की पत्नी सीता सोरेन जानलेवा हमले में बाल-बाल बची हैं। ये हमला कोई और नहीं बल्कि एक समय सीता का पीए रहा देवाशीष घोष ने की है। जिसको गिरफ्तार कर लिया गया है।

उप्र के सीएम ने बरसाना में फूलों एवं लड्डूमार होली के जरिए रंगोत्सव की शुरुआत की

अब मथुरा और ब्रज भूमि का तेजी से होगा विकास: योगी

एजेंसी/मथुरा

मथुरा में होली के त्योहार का आगाज हो चुका है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में थे। यहां उन्होंने कहा कि काशी और अयोध्या के कायाकल्प के बाद अब मथुरा और ब्रज भूमि के विकास का समय आ गया है। योगी ने आश्वासन दिया कि मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, नंदगांव, गोवर्धन और बलदेव सहित ब्रज क्षेत्र में अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज के परिवर्तन के समान तेजी से विकास होगा।

बरसाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री लाडली जी महाराज मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फूलों एवं लड्डूमार होली के जरिए

रंगोत्सव की शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पांच हजार साल से भारत की सनातन संस्कृति को ऊर्जा देने वाली यह ब्रज भूमि श्रद्धा एवं आस्था की धरा है। इसके कण-कण में श्री राधा और श्री कृष्ण के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां काशी, अयोध्या और मथुरा, ये तीनों तीर्थ स्थल सनातन एकता का प्रतीक के रूप में मौजूद हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है, जिसका परिणाम हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ के भव्य आयोजन के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा, जो जितना सनातन धर्म के खिलाफ बोलता था, अफवाह फैलाता था और तर्कहीन बातें करता था, उन्हें सनातन धर्मावलंबियों ने महाकुम्भ के जरिए करारा जवाब दिया है। महाकुम्भ सनातन धर्म का दुर्लभतम क्षण बन गया है। योगी ने होली को एकता का सूत्र बताते हुए कहा कि होली आपसी सद्भाव और दूरियों को मिटाने का त्योहार है। महाकुम्भ ने जहां दुनिया को एकता का संदेश दिया, वहीं होली इसे और मजबूत करती है। उन्होंने बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली और लड्डू मार होली का जिक्र करते हुए सनातन धर्म की अद्भुत परंपराओं की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा, इस बार के बजट में ब्रज भूमि के विकास के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि करोड़ों की योजनाओं के साथ बरसाना को विकास से जोड़ा जा रहा है। पहली बार बरसाना में रोपवे की सुविधा शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सकुशल सम्पन्न होने के बाद अब फुरसत मिली है। काशी, अयोध्या, प्रयागराज, मां विंध्यवासिनी धाम के विकास के उपरांत अब बारी इसी पुण्य भूमि की है। मथुरा, बरसाना, ब्रजभूमि के विकास के लिए कोई सीमा नहीं है।

कैंसर मरीजों की पहचान के लिए सभी जिलों में आयोजित किए जा रहे कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प: मंत्री

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा में मंत्री मंगल पांडेय ने विधानसभा में विधायक अरुण प्रसाद के सवाल का जवाब देते हुए कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे कई महत्वपूर्ण प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि होमी भाभा कैंसर अस्पताल व अनुसंधान केन्द्र द्वारा 2019-21 में मुजफ्फरपुर के विभिन्न इलाकों में एक सर्वे कराया गया था, जिसमें कैंसर के शिकार होने की चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई। सर्वे के अनुसार, गृहिणियों में 45 प्रतिशत, किसानों में 12.7 प्रतिशत, सरकारी कर्मचारियों में 9.7 प्रतिशत, निजी क्षेत्र में

काम करने वाले 4.4 प्रतिशत और अन्य क्षेत्रों के व्यक्तियों में भी कैंसर के मामले पाए गए। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 30 प्रतिशत कैंसर रोगी निरक्षर हैं, जबकि 19.7 प्रतिशत कॉलेज जाने वाले छात्र भी इस बीमारी के शिकार हैं। मंत्री ने कहा कि इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए कई उपाय किए हैं। अक्टूबर 2022 से राज्य के सभी जिलों में कैंसर मरीजों की पहचान के लिए कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र ने जागरुकता अभियान भी चलाया है। इसके साथ ही राज्य के छह प्रमुख जिलों में डे-केयर कीमोथेरेपी सेंटर स्थापित किए गए हैं और जिलों में बायोप्सी की जांच की जा रही है। राज्य सरकार ने महावीर कैंसर संस्थान को पीईटी-सीटी स्कैन और बोनमैरो ट्रांसप्लांट के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, सवेरा कैंसर अस्पताल, रोटरी पटना मिडटाउन और आरएस मेमोरियल कैंसर सोसाइटी को कैंसर स्क्रीनिंग और जागरुकता अभियान में सहयोग देने के लिए निर्देश दिए गए हैं। मुजफ्फरपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल द्वारा अब तक 23 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, और 4021 कैंसर मरीजों की पहचान की गई है।

नि :शुल्क एचपीवी वैक्सीन की शुरूआत

राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से कैंसर मरीजों के इलाज के लिए अनुदान भी प्रदान किया है। इसके अलावा, IGIMS पटना, AIIMS पटना और अन्य प्रमुख अस्पतालों में कैंसर मरीजों को रेडियोथेरेपी की सुविधाएं उपलब्ध हैं। राज्य में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु नि :शुल्क HPV वैक्सीनेशन की शुरूआत भी की गई है।

युवाओं के बीच जागरूकता अभियान: साथ ही, सीड्स संस्था द्वारा तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत युवाओं के बीच जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है, जो कैंसर के नियंत्रण में सहायक है। इस प्रकार, बिहार सरकार कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए व्यापक कदम उठा रही है, जिससे मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं और जागरुकता के माध्यम से इस घातक बीमारी के प्रसार को रोका जा सकता है।

17266 करोड़ रु से होगा ग्रामीण सड़कों का रखरखाव

पटना। बिहार सरकार ने ग्रामीण सड़कों का 7 वर्ष तक रखरखाव करने को लेकर दीर्घकालिक योजना तैयार की है। मंत्रिपरिषद के स्तर से इसकी स्वीकृत मिलने के बाद 11 हजार 251 सड़कों का रखरखाव करने से संबंधित कार्ययोजना तैयार की गई है। इसकी कुल लंबाई 19 हजार 867 किलोमीटर 66 मीटर होगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 17 हजार 266 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस प्रस्ताव की मंजूरी मंत्रिपरिषद से मिलने के सिर्फ 5 दिन बाद ही निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सरकार की योजना ग्रामीण सड़को को भी राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) और उच्च पथों की तरह उत्कृष्ट स्थिति में रहें। योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए 650 पैकेज तैयार किए गए हैं, जिनमें एक श्रेणी 10 करोड़ रुपये से 50 करोड़ रुपये तक की श्रेणियों में ठेके दिए जाएंगे। किसी भी पैकेज की अधिकतम सीमा 50 करोड़ रुपये तय की गई है, ताकि काम के निष्पादन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। इतना ही नहीं ठेकेदारों को सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी दी गई है। यदि किसी सड़क की गुणवत्ता में कमी पाई जाती है, तो संवेदकों के मासिक भुगतान में कटौती की जाएगी। योजना की समीक्षा मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के स्तर पर निरंतर की जा रही है।

बिहार विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार ने विपक्ष को जमकर लताड़ा

राजद की सरकार ने महिलाओं और शिक्षा के लिए कुछ नहीं किया: नीतीश

- राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए सीएम नीतीश कुमार बोले- इनके हसबैंड जब टूट गए, तब इन्हें सीएम बनाया

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आक्रामक अंदाज में नजर आए। नीतीश कुमार ने विपक्षी महिला नेताओं को जमकर फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी भी की। उन्होंने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की सरकार को जमकर कोसा। नीतीश ने कहा कि पहले तो महिलाओं को पढ़ाया ही नहीं जाता था, महिलाओं की पढ़ाई को लेकर सारा काम उनकी (नीतीश) सरकार में हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले विधानसभा पहुंचे। नीतीश के पहुंचते ही विपक्षी पार्टी के विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे को देख नीतीश का पारा हाई हो गया और यहां से निकलकर वो विधान परिषद में चले गए। विधान परिषद में भी नीतीश को विपक्ष के हंगामे का सामना करना पड़ा। यहां विपक्ष ने शिक्षा विभाग से जुड़ा एक सवाल पूछा, जिसके बाद नीतीश खड़े हुए और विपक्ष पर जमकर बरसे।

नीतीश कुमार में विधान परिषद में विपक्ष की तीन महिला विधान परिषद सदस्यों को फटकार लगाई। नीतीश ने कहा कि तुम लोग कुछ नहीं जानती हो। इन लोगों ने बना दिया है, इसलिए बोल रही हो। आरजेडी की सरकार ने शिक्षा के लिए क्या किया? महिलाओं के लिए पहले की सरकार ने क्या किया? पहले महिलाएं कहां पढ़ती थीं? प्राथमिक शिक्षा में कुछ पढ़ती थी, उसके बाद महिलाएं नहीं पढ़ती थीं। नीतीश ने राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इनके हसबैंड जब टूट गए, तब राबड़ी को सीएम बनाया। इन्होंने महिलाओं के लिया अब तक क्या किया? महिलाओं के लिए सभी काम हमारी सरकार ने किए।

मखाना और घी को अमेरिका, गुलाब जामुन को भेजा गया कनाडा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुधा के पहले एक्सपोर्ट कंसाइनमेंट का शुभारंभ कर दिया। सीएम ने एक अणे मार्ग से पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के तहत सुधा के पहले एक्सपोर्ट कंसाइनमेंट का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिनमें विशेष रूप से मखाना, घी और गुलाब जामुन भेजे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान इन सामानों का अवलोकन किया और जानकारी प्राप्त की कि एक वाहन में मखाना और घी को अमेरिका के लिए जबकि दूसरे वाहन में गुलाब जामुन को कनाडा के लिए भेजा जा रहा है। यह सामान पहले समुद्री पोर्ट तक पहुंचाया जाएगा, उसके बाद समुद्री मार्ग से इसे अमेरिका और कनाडा के गंतव्य तक भेजा जाएगा। कार्यक्रम में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयालक्ष्मी ने मुख्यमंत्री को इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर राज्य सरकार के कई प्रमुख मंत्री और अधिकारी उपस्थित थे।पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय पंचायती राज, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्व मंत्री संजय सरावगी, अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बक्सर सांसद का आरोप... बजट में की गई है गड़बड़ी

पटना। राजद के सांसद सुधाकर सिंह ने नीतीश सरकार हमला बोला है। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेश किए गए बजट में गड़बड़ी की गई है। बजट में 25 करोड़ रुपये पर्यावरण विभाग को दिया गया है। इसे बिहार ग्रीन डेवलमेंट कंपनी फंड नाम दिया गया है। सरकार इस पूरे प्रकरण की जांच आर्थिक अपराध इकाई से करवाए। सुधाकर सिंह ने बिहार विधानसभा में इसपर कोई बात नहीं कही, बाद में प्रेस कांफ्रेंस कर अपनी ओर से सरकार पर आरोपों की झड़ी लगा दी। उन्होंने कहा कि सरकार कुछ लोगों को फायदा देने के लिए योजना ला रही है और राशि खर्च करने का बजट दिखा रही है। उन्होंने कहा कि बजट में जो जरूरी था, वह नहीं लाया गया।

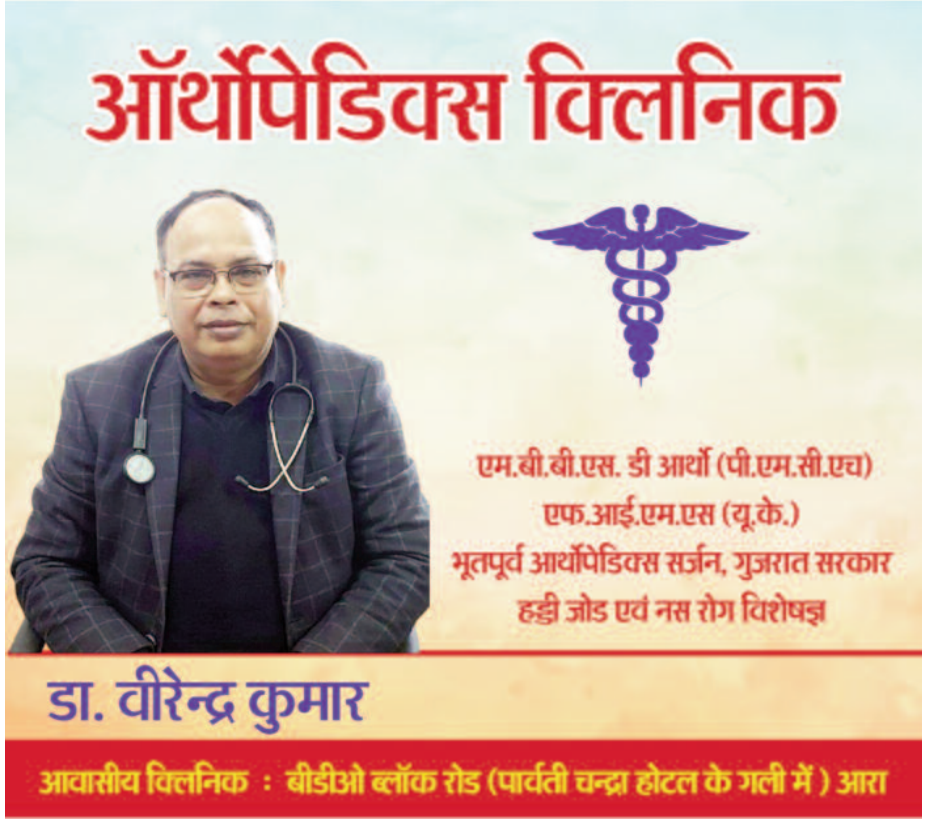

नालंदा के डीटीओ के आवास पर स्पेशल विजिलेंस यूनिट का छापा

केटी न्यूज/पटना

नालंदा के डीटीओ (जिला परिवहन पदाधिकारी) अनिल कुमार दास के खिलाफ स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसवीयू की छह सदस्यीय टीम ने बिहार शरीफ स्थित डीटीओ के किराए के मकान में छापेमारी की। सुबह करीब छह से सात बजे के बीच एसवीयू की टीम दो गाड़ियों में बिहार शरीफ के उस मकान के पास पहुंची, जहां अनिल कुमार दास किराए पर रह रहे हैं।

मकान मालिक द्वारा दरवाजा खोले जाने के बाद टीम ने बिना किसी हंगामे के कार्रवाई शुरू की। फ्लैट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, और मीडिया को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई है।इस रेड के संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, और यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि एसवीयू ने छापेमारी किस उद्देश्य से की है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई अनिल कुमार दास के खिलाफ किसी भ्रष्टाचार या अन्य अनियमितताओं से जुड़ी हो सकती है। अभी तक यह भी नहीं बताया गया है कि इस छापेमारी के दौरान क्या सामान बरामद हुआ है? हालांकि, एसवीयू द्वारा की जा रही कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर चचाएं तेज हो गई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है, और जल्द ही अधिक जानकारी साझा की जाएगी। इस समय नालंदा और बिहार शरीफ में यह घटना चर्चा का विषय बन चुकी है, और पूरे मामले पर मीडिया की नजरें बनी हुई हैं।

दरभंगा में बेलगाम ट्रक की टक्कर से महिला व मासूम बच्चे की मौत

केटी न्यूज/पटना

दरभंगा जिले के बिरौल-दरभंगा मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला और छह महीने की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक, घटना में मृत महिला की पहचान जयंतपुरदाथ निवासी राजकिशोर की पत्नी सुधा देवी और उनकी छह महीने की बेटी आयुषी कुमारी के रूप में हुई है। वहीं, बाइक चला रहा युवक विकास कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्थानीय लोगों ने बेनीपुर के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन स्थानीय लोगों ने पीछा कर उसे बेनीपुर बाजार के पास पकड़ लिया। गुस्साए ग्रामीणों ने बेनीपुर-दरभंगा मुख्य सड़क को जाम कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस के समझाने के बाद लोगों ने सड़क जाम हटाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार महिला और बच्ची को लेकर बेनीपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दरभंगा की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे महिला और बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बहेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेजा। घायल युवक का इलाज निजी नर्सिंग होम में चल रहा है।

डीजीपी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय प्रशासी समिति की बैठक लिया गया निर्णय

655 पुलिसकर्मियों के लिए एक करोड़ 25 लाख रुपये अनुदान राशि के भुगतान की मिली स्वीकृति

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय प्रशासी समिति की बैठक विनय कुमार, पुलिस महानिदेशक, बिहार, पटना की अध्यक्षता में सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। इसमें कुल 655 पुलिसकर्मियों (लाभार्थियों) को एक करोड़ 25 लाख 19 हजार 100 रुपये अनुदान राशि के भुगतान की सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। बिहार पुलिस परोपकारी कोष से कुल 62 आवेदनों को स्वीकृत कर व्ययित कुल अनुदान राशि छह लाख नब्बे हजार रुपये मात्र भुगतान करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बिहार पुलिस परोपकारी कोष से पुलिस आदेश संख्या-210/88 के आलोक में सेवाकाल में मृत कर्मियों

के आश्रितों को मृत्यु की तिथि से 20 वर्षों तक दी जाने वाली अनुदान राशि की अवधि को 05 वर्ष बढ़ाकर कुल 25 वर्ष करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जो इस बैठक की तिथि दिनांक 07.03.2025 से प्रभावी होगा। बिहार पुलिस शिक्षा कोष से अनुदान हेतु प्राप्त कुल 514 आवेदनों के विचारोपरान्त कुल 505 आवेदनों को स्वीकृत किया गया, जिसमें लाभार्थियों को कुल अनुदान राशि छियानवे लाख छबीस हजार एक सौ रुपये मात्र भुगतान करने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बिहार पुलिस सहाय्य कल्याण कोष से अनुदान हेतु 94 आवेदनों पर विचारोपरान्त कुल 88 आवेदनों को स्वीकृत किया गया, जिसमें लाभार्थियों को कुल अनुदान राशि बाइस लाख तीन हजार रुपये मात्र भुगतान करने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

इस प्रकार कुल 655 लाभार्थियों को कुल अनुदान राशि एक करोड़ पच्चीस लाख उन्नीस हजार एक सौ रुपये मात्र स्वीकृत कर भुगतान करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस अवसर पर कुंदन कृष्णन, अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय), एनके आजाद, अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं एवं वितन्तु), बिहार, पटना, डॉ. कमल किशोर सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक (बजट, अपील एवं कल्याण), बच्चू सिंह मीणा, अपर पुलिस महानिदेशक (रेलवे), सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा एवं आर्थिक अपराध इकाई), एमआर नायक, अपर पुलिस महानिदेशक (बिविसपु), बिहार, पटना व अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनएच पर खड़ी ट्रक से टकराई टेलर, चालक व सह चालक जख्मी; हालत गंभीर

♦ लोगों ने मशक्कत के बाद केबिन में फंसे चालक व सह चालक को निकाल पहुंचाया निजी अस्पताल

केटी न्यूज/डुमरांव

पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर ट्रक व टेलर की टक्कर हो गई। यह घटना शुक्रवार की अहले करीब तीन बजे नया भोजपुर थाना क्षेत्र के नवाडेरा गांव के समीप की है। इस हादसे में टेलर का चालक व सह चालक गंभीर रूप से जख्मी हो केबिन में ही फंस गए थे। वाहनों की टक्कर की आवाज सुन आस पास के लोग दौड़े भागे पहुंचे तथा केबिन में फंसे लोगों को मशक्कत से निकाल उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाए। इस घटना में टेलर का सह चालक की स्थिति गंभीर है, जिसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार उक्त टेलर नासरीगंज से बालू लेकर आजमगढ़ की तरफ जा रही थी। वहीं, दूसरी तरफ ट्रक संख्या यूपी 50 बीटी 8447 बालू नवाडेरा के पास खड़ी थी। टेलर चालक ने अचानक अपना नियंत्रण खो दिया तथा वह सामने खड़ी ट्रक में जोरदार टक्कर मार दिया। इस दौरान टेलर का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया तथा चालक व सह चालक दोनों जख्मी हो गए। वहीं, ट्रक चालक आजमगढ़ निवासी रामउग्रह यादव को मामूली चोटें आई है।

डॉक्टरों के मुताबिक सह चालक को हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची नया भोजपुर थाने की पुलिस ने गंभीर रूप से जख्मी सह चालक को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां से उसे आजमगढ़ के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है।

थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच जख्मियों का इलाज करवाया गया तथा दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में किसी पक्ष ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया था।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम होंगे आयोजित

बक्सर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम सभी महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए अधिकार, समानता तथा सशक्तिकरण है। प्रभारी डीपीआरओ सौरभ आलोक ने बताया कि आठ मार्च को पूर्वाहन 07:30 बजे 11 नंबर लख से महदह पुल तक मिनी महिला मैराथन का आयोजन किया जाएगा। वहीं, सुबह आठ बजे से किला मैदान बक्सर में कबड्डी, खो-खो एवं अन्य महिला खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

नगर भवन बक्सर में पूर्वाहन 11:00 बजे से सेमिनार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नगर भवन बक्सर में आयोजित सेमिनार में विभिन्न विधाओं में आमंत्रित महिलाओं द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा। साथ ही, मिनी महिला मैराथन, खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा।

कूड़े के ढेर से रोटी की आस में गलियों में भटकता बचपन... बड़ा सवाल– आखिर कब बदलेगी तस्वीर ?

डुमरांव। बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए सरकार एक ओर सर्व शिक्षा अभियान- सब पढ़ें, सब बढ़े, आओ स्कूल चले हम अभियान चला रही है लेकिन इसके उलट हकीकत यह भी है कि कई बच्चे आज भी कूड़े के ढेर से रोटी की आस में गलियों के खाक छान रहे हैं। पेट की आग ने बच्चों से न केवल उनका बचपन छीन लिया है बल्कि उनका भविष्य भी दावं पर लगा दिया है। यह तस्वीर राज हाईस्कूल के पास की है। शुक्रवार की दोपहर जब बच्चे गलियों में घूम-घूमकर कचरे के ढेर से कबाड़ चुन रहे थे तब इसे फोटो जर्नलिस्ट मनीष कुमार ने अपने कैमरे में कैद किया। तस्वीर इस ओर इशारा कर रही है कि सरकार चाहे लाख प्रयास कर ले जब तक अधिकारी अपनी जिम्मेवारी का सही से निर्वहन नहीं करेंगे हालात नहीं बदलने वाले।

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर में चोरों ने चोरी की बड़ी घटना को दिया अंजाम

शिक्षक के बंद मकान का ताला तोड़ कर नगदी समेत उड़ाए 15 लाख के आभूषण

♦ चोरी के उद्भेदन के लिए पुलिस ने लिया एफएसएल व डॉग स्क्वायड का सहारा
♦ उपनयन संस्कार में शामिल होने परिवार के साथ गए थे बक्सर

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर स्थित एक शिक्षक के बंद मकान में का ताला तोड़ चोरों ने चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने इस दौरान घर में रखे 40 हजार रूपए नगद के अलावे आलमीरा व गोदरेज तोड़ उसमें रखे सोने चांदी के आभूषण चुरा लिए है।

शुक्रवार की सुबह जब गृहस्वामी अपने परिवार के साथ आए तथा मुख्य गेट का टूटा ताला देखे तो उन्हें यह समझते देर न लगी कि चोरों ने हाथ साफ कर दिया है। पीड़ित गृहस्वामी कमलेश पाठक ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, पुलिस ने इस मामले के उद्भेदन के लिए एफएसएल टीम व डॉग स्क्वायड का सहारा लिया है।

गृह स्वामी के अनुसार चोरों ने 40 हजार रूपए नगद के अलावे सोने का टीका, नथिया, झुमका, अंगूठी, मंगलसूत्र, कमर पेटी के अलावे चांदी के कटोरी, प्लेट, पान कसैली, सिक्का पायजेब समेत करीब 15 लाख रूपए मूल्य के आभूषण की चोरी कर ली है।

जानकारी के अनुसार कमलेश पाठक अपने पट्टीदार में आयोजित एक उपनयन संस्कार में शामिल होने गुरूवार को पूरे परिवार के साथ बक्सर गए थे। इधर मुख्य गेट में ताला लटका देख चोरों ने इसे अपने लिए अवसर समझा तथा रात में ताला तोड़ चोरी की इस घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने इतनी सफाई से इस घटना को अंजाम दिया कि आस पास के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे जब कमलेश अपने परिवार के साथ वापस पुराना भोजपुर लौटे तो मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। इसके बाद वे घर के अंदर प्रवेश कर मुआयना किए तो आलमीरा, गोदरेज भी टूटे थे तथा अन्य सामान भी बिखरे पड़े थे। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

पुराना भोजपुर में पहले भी हो चुकी है चोरी की घटनाएं : बता दें कि पुराना भोजपुर में इसके पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी है। कुछ माह पूर्व चोरों ने एनएच 922 के किनारे घर बनाने वाले राजू सिंह के घर में भी इसी तरह से भीषण चोरी की थी। इसके अलावे भी कई अन्य घटनाएं घटित हुई है। पुराना भोजपुर में चोरों की सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

पुलिस ने कहा– शीघ्र होगा उद्भेदन

इस घटना को पुलिस ने काफी गंभीरता से लिया है। पुलिस हर हाल में इस घटना में शामिल चोरों को पकड़ने की फिराक में है। वहीं, एसपी शुभम आर्य को जैसे ही इस घटना की जानकारी हुई उन्होंने तत्काल नया भोजपुर पुलिस को एफएसएल टीम व डॉग स्क्वायड का सहारा लेने का निर्देश दिया ताकी शीघ्र चोरों तक पहुंचा जा सकें। नया भोजपुर पुलिस ने तत्काल अपने साथ एफएसएल टीम को लेकर मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम ने घटना स्थल से कई साक्ष्य इकट्ठा किए है। वहीं, डॉग स्क्वायड भी अपना काम कर रही है। इसके अलावे पुलिस वैज्ञानिक अनुसंधान का सहारा भी ले रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों को धर दबोचा जाएगा।

जल्दी होगी चोरों की शिनाख्त

“ पुराना भोजपुर में चोरी की जानकारी मिलते ही तत्काल एफएसएल टीम व डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। इस घटना को काफी गंभीरता से लिया गया है। जल्दी ही चोरों की शिनाख्त कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

– मनीष कुमार, थानाध्यक्ष, नया भोजपुर, डुमरांव

गायब हुआ 17 वर्षीय किशोर, परिजन परेशान

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रताप सागर से एक 17 वर्षीय किशोर शुक्रवार की सुबह से ही गायब हो गया है। काफी खोजबीन के बाद जब उसका कुछ सुराग नहीं मिला तो थक हारकर परिजनों ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी है। जानकारी मिलते ही किशोर इस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। इस संबंध में किशोर के पिता रजिन्द्र कुशवाहा ने पुलिस को दिए सनहा में बताया है कि उसका पुत्र बब्लू कुमार शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे से अपने घर से गायब हो गया है। उन्होंने बताया कि काफी खोजबीन के बाद भी उनका पुत्र नहीं मिला तब पुलिस को जानकारी दी गई। उसके गायब होने से पूरा परिवार परेशान हो गया है।

नावानगर में बजट की प्रति जलाकर माले कार्यकताओं ने किया सरकार का विरोध

केटी न्यूज/नावानगर

बिहार विधानसभा में पेश किए बजट 2025 - 26 को लेकर माले कार्यकताओं ने शुक्रवार को सोनवर्षा में बजट की प्रति जलाकर विरोध किया। साथ ही सरकार विरोधी नारे लगाते हुए तीन दिवसीय राज्यव्यापी प्रतिवाद के तहत विरोध प्रदर्शन की जानकारी दिया।

कार्यकताओं के अनुसार इस बजट में संघर्षरत तबकों जैसे आशा, रसोईया, सेविका-सहायिका, कुरियर, ममता, जीविका, सफाईकर्मी, अनुरक्षक, विद्यालय प्रहरी आदि के मांगों को अनसुना कर दिया गया है। यह बजट को मजदूर-गरीब, आमजन विरोधी व दिशाहीन है। विरोध सभा की अध्यक्षता करते हुए माले नेता रामदेव सिंह ने कहा कि बिहार में भाजपा-जदयू के डबल इंजन सरकार के बजट में जनता की बुनियादी सुविधा को नजर अंदाज किया गया है। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पानी, बिजली सड़क, महंगाई, बेरोजगारी के सवाल पर डबल इंजन सरकार चुप्पी साध लिया गया है। बजट में गरीब मजदूरों की सुविधा देने के बजाय भारी कटौती की गई है। वही अन्य वक्ताओं ने कहा कि इस बजट किसान-मजदूरों के हित में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। बजट प्रति जलाकर विरोध करने वालों में माले पार्टी के कार्यकताओं के अलावा गरीब तबके के लोग शामिल थे।

10 मार्च को बक्सर में आयोजित होगा पीएम अप्रेंटिसशिप मेला, तैयारी पूरी

केटी न्यूज/बक्सर

♦ 18 से 30 वर्ष तक के युवाओं को मिलेगा सुनहरा अवसर

बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग व राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में 10 मार्च को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में एक दिवसीय पीएम अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा।

पीएम अप्रेंटिसशिप मेला में पांच कंपनियों द्वारा भाग लिया जाएगा। इस अप्रेंटिस मेला में वैसे युवा जिनकी उम्र 18 से 30 वर्ष है तथा वे आईटीआई के इलेक्ट्रिशीयन, फीटर, टर्नर, मैशिनिष्ट, फाउडरीमैन, एमएमभी, ट्रैक्टर मैकेनिक, डिजल मैकेनिक, वेल्डर, पलम्बर, आईसीटीएसएम, मेकेनिक इलेक्ट्रॉनिक एवं सभी ट्रेड के साथ प्लस टू पास युवक-युवतियों को पीएम अप्रेंटिसशिप करने का सुनहरा अवसर दिया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बक्सर के प्राचार्य, मो. मसूद रशीद ने इच्छुक आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बक्सर में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोडाटा एवं आईटीआई व 10+2 पास सभी प्रमाण पत्र के साथ कैम्प में भाग लेकर लाभ उठाये। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बक्सर में आकर अवसर का लाभ उठा सकते है।

बक्सर पहुंचे कांग्रेस के पर्यवेक्षक का जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में किया गया स्वागत

कांग्रेस कार्यकर्ता जिले में गांव-गांव जा राहुल गांधी जी के संदेश को पहुंचाएंगे: मनोज पांडेय

♦ बोले पर्यवेक्षक... सभी कांग्रेस कार्यकताओं को मिलेगा सम्मान

केटी न्यूज/बक्सर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटि द्वारा नियुक्त बक्सर जिला के पर्यवेक्षक मनीष पटेल का आज बक्सर कांग्रेस कार्यालय पर जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया।

पर्यवेक्षक मनीष ने कहा कि आने वाले चुनाव की तैयारी को लेकर बूथ तक कांग्रेस कार्यकताओं को पहुंचना है एवं सभी कांग्रेस कार्यकताओं का सम्मान दिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी श्रीकृष्ण के नेतृत्व में किसी मेहनती कांग्रेस कार्यकताओं को अनदेखा नहीं किया जाएगा। हम सभी गांव तक राहुल गांधी के संदेश को पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। वहीं, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर राहुल गांधी के संदेश को पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि बुथ कमेटि से लेकर बीलए तक की सारी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। सारे कार्यकर्ता चुनाव की तैयारी में लग गए है।

कार्यकताओं को उचित स्थान व प्रतिनिधित्व के लिए कांग्रेस संकल्पित : डॉ. पांडेय ने कहा कि समर्पित कार्यकताओं को उचित स्थान एवं उचित प्रतिनिधित्व के लिए कांग्रेस पार्टी संकल्पित है। उन्होंने कहा कि आगामी विधान सभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरे बिहार में काफी मजबूती से उभरेगी। जनता का विश्वास कांग्रेस के प्रति बढ़ा है। डॉ. पांडेय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो काम करेगा, वह कांग्रेस के अगली पंक्ति में उचित प्रतिनिधित्व के लिए भी चुना जाएगा। वहीं, बिहार एनएसयूआई की मनोनीत महामंत्री ईसान त्रिवेदी को जिला कांग्रेस कमेटि कार्यालय पर फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटि के सदस्य डॉ. प्रमोद ओझा, डॉ. सत्येंद्र ओझा, वीरेंद्र राम, अजय यादव, रूनी देवी, संतोष वर्मा, रिंकू देवी, आशा देवी, अजय कुमार ओझा, जयराम राम, शिवकांत मिश्रा, संजय कुमार पांडेय, संजय कुमार दूबे, निर्मला देवी, कुमकुम देवी, त्रियोगी मिश्र सहित सौकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पंचायत में लोगों में जेनेरिक दवाओं के लाभों के संबंध में बढ़ानी है जागरूकता: सीएचओ

- सभी प्रखंडों के दो-दो हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देश पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना को प्रोत्साहित करने एवं जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को जन-औषधि दिवस-2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले में शुक्रवार को सभी प्रखंडों के दो-दो हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स क्षेत्र के मरीजों की जांच करते हुए दवाएं उपलब्ध कराई गई। साथ ही मरीजों को उचित परामर्श भी दिए गए।

इस क्रम में डुमरांव प्रखंड अंतर्गत अमथुआ पंचायत स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, लाखन डिहरा पर भी स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें सीएचओ की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में सीएचओ कुमारी प्रियंका प्रसाद व एएनएम बेबी कुमारी ने मरीजों की जांच की। लोगों को बीमारियों व उनके उपचारों के साथ दवाओं को लेकर जागरूक किया गया।

जेनेरिक दवाओं के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ानी है : सीएचओ कुमारी प्रियंका प्रसाद ने बताया कि राज्य और जिला स्वास्थ्य समिति के निर्देश पर ग्रामीण स्तर पर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने और स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों व सेवाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जन औषधि दिवस-2025 के तहत स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया है। इस क्रम में लोगों को जेनेरिक दवाओं के लाभों के संबंध में जागरूकता बढ़ानी है। ताकि, लोग जेनरिक दवाओं के महत्व और उसके फायदों के संबंध में जान सके। स्वास्थ्य विभाग एचडब्ल्यूसी को उपलब्ध कराई गई हैं। ताकि, मरीजों को ऐसी दवाएं उपलब्ध कराई जा सके जो मरीजों को निःशुल्क दी जा सके और उन दवाओं का मरीजों के स्वास्थ्य पर कोई विपरीत असर न करें।

लोगों को दी गई पीएसपी की जानकारी : कार्यक्रम के मध्य में लाखन डिहरा पेशेंट स्टेक होल्डर की सदस्य मालती देवी ने स्वास्थ्य मेले में मौजूद मरीजों और लाभुकों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से गांव में फाइलेरिया मरीजों व अन्य लोगों को मिलाकर एक प्लेटफार्म बनाया गया है। जिसके माध्यम से पंचायत में लोगों को स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अभियानों को लेकर जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में पीएसपी का मुख्य उद्देश्य लोगों को फाइलेरिया के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है।

पीएसपी के माध्यम से लोगों में जागरूकता बढ़ने की उम्मीद : इस दौरान स्वास्थ्य मेले में मौजूद पंचायत के मुखिया मुखलाल महतो ने एचडब्ल्यूसी स्तर पर बनाए गए पीएसपी की सराहना करते हुए कहा कि आज भी गांव के कई लोगों को सरकार के द्वारा दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी जानकारी नहीं है। लेकिन, अब हमें उम्मीद है कि पीएसपी के माध्यम से पंचायत के जन-जन को स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी हो सकेगी। वहीं, योगा इंस्ट्रक्टर सुमन कुमारी ने मेले में आए लाभुकों को योग आसनों की जानकारी दी। सभी को योग करने को प्रेरित करते हुए प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। कहा कि सभी अपनी दिनचर्या की शुरूआत योग से करें, ताकि स्वस्थ रहे। बताया कि अगर आप सभी योग का नियमित अभ्यास करते हैं, तो इससे आपका तनाव भी दूर होता है। उन्होंने लाभुकों को विभिन्न प्राणायाम की जानकारी दी।

मौके पर आशा फैसिलिटेटर अनीता देवी, आशा कार्यकताओं में सरोज देवी, अनिता देवी, तिजिया देवी, उर्मिला देवी, सीएफएआर के एसपीए अमित सिंह व पंचायत के मरीज व ग्रामीण मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

कई न्यायिक पदाधिकारियों का हुआ स्थानांतरण

बक्सर। पटना हाई कोर्ट ने जिले के कई न्यायिक पदाधिकारियों का स्थानांतरण किया है। जिसको लेकर हाई कोर्ट के द्वारा एक नोटिफिकेशन जारी किया है। जिसमें क्रमशः जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश उदय प्रताप सिंह, मनीष कुमार शुक्ला, सुदेश कुमार श्रीवास्तव, अनुपम कुमारी, सोनी लाल रजक को क्रमशः मुंगेर, बिहारशरीफ, भागलपुर, मुंगेर एवं समस्तीपुर से बक्सर न्यायालय में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के पद पर स्थानांतरित किया गया है। वहीं बक्सर से राकेश कुमार राकेश एवं प्रभाकर दत्त मिश्र को क्रमशः सहरसा एवं बेतिया जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

ट्रक व स्कॉर्पियो की टक्कर में तीन जख्मी

डुमरांव। डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर मुगांव डेरा के समीप स्कॉर्पियो और ट्रक की आमने-सामने टक्कर में स्कॉर्पियो सवार तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना शुक्रवार सुबह की है। जानकारी मिलते ही कोरान सराय थाने की डायल 112 की टीम ने सभी जख्मियों को इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रेफर कर दिया गया। घायलों में कोरान सराय निवासी रामप्रवेश गोड़ 50 वर्ष, चाभूर पासवान 55 वर्ष और रामाकांत कमकर 60 वर्ष शामिल है। सभी बारात से लौट रहे थे, इसी दौरान सामने से आ रही बालू लदे ट्रक से टक्कर हो गई।

फरार वांटेड को पुलिस ने दबोचा

बक्सर। मारपीट व गोलीबारी कांड में फरार चल रहा एक वांछित पुलिस के हत्थे चढ़ गया। औद्योगिक थाना की पुलिस को यह सफलता शुक्रवार को मिली। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि फरवरी के अंतिम सप्ताह में बेलाउर गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट व गोलीबारी की घटना घटी थी। जिसमें उसी गांव का मुन्ना पासवान को नामजद था। जिसकी पुलिस कई दिनों से तलाश कर रही थी।

केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने जिले की चार प्रेरणास्त्रोत महिलाओं का किया साक्षात्कार

महिलाओं ने चहुंओर बढ़ाए सफलता के कदम सरकारी योजनाएं लगा रही उनके सपनों को पंख

महिला दिवस विशेष

- महिलाओं को स्वावलंबी बना रही डुमरांव की सरोज देवी व पुष्पा देवी
- सेल्फ हेल्फ ग्रुप से जोड़ शहरी गरीब महिलाओं को दिला रही है ऋण व रोजगार

केटी न्यूज/बक्सर

महिलाएं आज समाज के हर दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। शिक्षा, चिकित्सा से लेकर खेलकूद में भी आज महिलाएं काफी तेजी से आगे बढ़ी है। कई महिलाएं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के साथ ही जिले को गौरवान्वित कर रही है।

वहीं, आज की महिलाएं स्वावलंबन के क्षेत्र में भी तेजी से कदम बढ़ा चुकी है। सरकारी योजनाएं भी महिलाओं के उत्थान में सहायक बन रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर केशव टाइम्स ने समाज में उल्लेखनीय योगदान करने वाली महिलाओं की प्रतिक्रिया ली है। पेश है रिपोर्ट...

केशव टाइम्स से वार्ता के दौरान बोलीं प्रबुद्ध महिलाएं...

"महिलाएं आज समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ी है। वे अपने लगनशीलता, मेहनत तथा कार्यकुशलता से बड़ी तेजी से पुरूषों से आगे निकल रही है, लेकिन उनकी संख्या कम है। महिलाओं को समाज की दहलीज को तोड़ आगे आने की जरूरत है। झिझक मिटाकर अपने स्कील को समाज के आगे लाना चाहिए, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। इसकी उदाहरण देश की पहली आईपीएस किरण बेदी, उड़नपरी, पीटी उषा, कल्पना चावला जैसी कई महिलाएं है। सरकार भी महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। इसका लाभ उठाना चाहिए।

– अनिशा राणा, प्रशिक्षु डीएसपी, बक्सर

"महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार की डे-नूलम योजना समेत कई अन्य योजनाएं संचालित है। इनके माध्यम से भी महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। ये सरकारी योजनाएं गरीब तबके की महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। शहरी गरीब महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार की योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इनको आम महिलाओं तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। सेल्फ हेल्फ ग्रुप के जरीए महिलाएं स्वरोजगार अपना अपने परिवार की माली हालत सुधार रही है।

– सरोज देवी, सीआरपी, डुमरांव

"महिलाओं को समाज में पुरुषों की बराबरी का हक प्राप्त है। उन्हें सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने की आजादी है, लेकिन इसकी कुंजी शिक्षा ही है। महिलाओं को शिक्षा क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आज महिलाएं कई क्षेत्रों में मील का पत्थर स्थापित कर चुकी है। जरूरत है समाज को भी अपना नजरिया बदलने का। महिलाओं को राजनीति क्षेत्र में भी अब तो भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। जरूरत है महिलाओं को अपनी मेधा व क्षमता को पहचानने की तथा किसी भी क्षेत्र में मिले मौके का भरपूर लाभ उठाने की।

– डॉ. शोभा सिंह, प्राचार्या, सुमित्रा महिला कॉलेज, डुमरांव

"महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरूषों से आगे है। जरूरत है उनकी प्रतिभा की पहचान व जरूरी मार्गदर्शन की। आज महिलाएं ऐसे क्षेत्रों में भी नाम कमा रही है, जहां पहले सिर्फ पुरूषों का आधिपत्य था। जिसका परिणाम अब सबके समाने दिखाई पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में स्वयं सहायता समूह ग्रामीण तबके के महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। आज महिलाएं स्वयं सहायता समूह व आजीविका मिशन से जुड़ अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधार रही है। सरकार की योजनाएं भी इसमें सहायक हो रही है।

– पुष्पा देवी, मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह की सचिव

मां डुमरेजनी सेवा समिति 13 मार्च को आयोजित करेगी होली मिलन सामारोह, शामिल होंगे कई कलाकार

डुमरांव। मां डुमरेजनी सेवा समिति 13 मार्च को नगर के टिचर ट्रेनिंग स्कूल के पास होली मिलन समारोह का आयोजन कर रही है। इस आयोजन में सैकड़ों गणमान्य शामिल के साथ भोजपुरी के कई स्टार कलाकार भी शामिल होंगे। जिसको लेकर शुक्रवार को बैठक का आयोजन किया गया।

इस संबंध में आयोजन समिति के बब्लू राय व टुन्ना सिंह ने बताया कि यह आयोजन 13 मार्च को शाम में आयोजित किया जाएगा। जिसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को यादगार बनाना है। इसके लिए कार्यक्रम में स्टेज स्टार गोलू राजा, भोजपुरी के अभिनेता सह गायक अरविंद अकेला उर्फ कल्लू, गायक सन्नी पांडेय व गायिका अदिति राज शिरकत करेंगी। बब्लू ने बताया कि आयोजन की तैयारी तेजी से चल रही है। यह आयोजन काफी भव्य तरीके से मनाया जाएगा। इस आयोजन में जिला व अनुमंडल के गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में विनोद कुमार, कुटकुट राय, सोनू सिंह, दुर्गेश सिंह व पिंटू राय मौजूद रहे।

जिले के युवाओं को मिली मेरा युवा भारत समिति के पोर्टल की विस्तृत जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

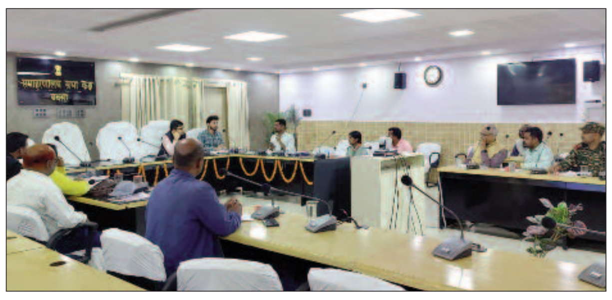

मेरा युवा भारत समिति की बैठक शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जिला खेल पदाधिकारी आदित्य कुमार की अध्यक्षता में की गई। बैठक का संचालन जिला युवा पदाधिकारी सागर माहेश्वरी ने की।

सागर माहेश्वरी ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य मेरा युवा भारत पोर्टल पर अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम से बक्सर जिला के युवाओं को जोड़ना है, जिसमें सभी कार्यक्रमों का जानकारी एक ही पोर्टल पर हो सकें। इस दौरान आदित्य कुमार ने बताया कि एक मंच पर देश के सभी युवाओं के आने से युवाओं को सभी प्रोग्राम के बारे में जानकारी प्राप्त होगा। माय भारत के तहत नेहरू युवा केंद्र, एनएसएस, एनसीसी तथा स्काउट गाइड तथा स्टेकहोल्डर्स एक साथ मिलकर युवाओं को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। वहीं योग प्रशिक्षक ने बताया कि योग एवं पौधरोपण से हम लोग गांव में सभी युवाओं को जोड़ते हैं। साथ ही, सोशल वर्क कराकर युवाओं को आगे बढ़ने का कार्य करते हैं। उन सभी को माय युवा भारत पोर्टल से जोड़ रहे हैं। वहीं शैलेश कुमार राय ने बताया कि बक्सर जिला के सभी युवाओं को आगे बढ़ने का कार्य अब माई भारत करेगा। कौशल विकास परियोजना के तहत युवाओं को हम लोग माय भारत से जोड़कर उन्हें सभी प्रोग्राम के बारे में जानकारी दे रहे हैं और रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। बैठक में एनसीसी 30 बिहार बटालियन के कमांडेंट रितेश रंजन, योग प्रशिक्षक डॉ. संजय कुमार सिंह, एनएसएस पदाधिकारी डॉ. रमेश कुमार यादव, डॉ. वीरेंद्र प्रसाद, जिला गंगा समिति के डीपीओ शैलेश कुमार राय, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी प्रतिमा सिंह, शिव कुमार मिश्र, परशुराम यादव व अन्य लोग मौजूद रहे।

अकीदतमंदों से खचाखच भरी रही जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों की मस्जिदें

रमजान के पहले जुम्मे पर मस्जिदों में उमड़ी भीड़, अकीदतमंदों ने मांगी अमन-चैन की दुआ

केटी न्यूज/बक्सर

रमजान का पाक माह बरकत और रहमत का महीना है, जिसमें जुमे की नमाज की खास अहमियत होती है। रमजान के पहले जुम्मे के मौके पर जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों की मस्जिदें अकीदतमंदों से खचाखच भरी रहीं। बड़ी संख्या में बुजुर्ग, नौजवान और बच्चे साफ-सुथरे लिबास में मस्जिद पहुंचे और जुमे की नमाज अदा की। इस दौरान मस्जिदों के इमामों ने रमजान की फजीलत पर रोशनी डालते हुए रोजे और इबादत की अहमियत बताई।

जिला मुख्यालय स्थित कचहरी मस्जिद, बड़ी मस्जिद, जुल्फजल मस्जिद, चौसा नगर जमा मस्जिद, खानकाही मस्जिद समेत ग्रामीण इलाकों की विभिन्न मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। चौसा के सिकरौल, सरेंजा, बूढ़ाडीह, पिठारी, बनारपुर, डिहरी और खरगपुरा समेत कई गांवों की मस्जिदों में भी अकीदतमंदों ने बड़ी संख्या में नमाज अदा की।

रमजान के पहले जुमे पर मांगी गई रहमत व बरकत की दुआएं: डुमरांवः- पाक मुकद्दस माह-ए-रमजान के पहले जुमे की नमाज डुमरांव के विभिन्न मस्जिदों में अकीदत के साथ अदा की गई। रमजान के पहले जुमा की नमाज अदा करने के लिए शहर के जामा मस्जिद, शाही मस्जिद समेत शहर और आस पास की विभिन्न मस्जिदों में रोजेदारों की खासी भीड़ रही। जामा मस्जिद में नमाजियों की संख्या काफी अधिक थी। रमजान के पहले जुमे की नमाज दोपहर में पढ़ी गयी जहां पूरे अकीदत के साथ रोजेदारों ने नमाज अदा की। उलेमाओं ने कहा कि यह रमजान शरीफ का महीना है, जो रहमत मगफिरत और जहन्नम से निजात का माह है। उन्होंने कहा कि जो इंसान जान बूझकर रोजा छोड़ता है, जिंदगी भर भी अगर वह रोजा रखे तो उसके नुकसान की भरपाई नहीं होती। उलेमाओं ने बताया कि इस्लाम की बुनियाद पांच चीजों पर कायम है। पहला कलमा पढ़ना, दूसरा नमाज, तीसरा रमजान में रोजे रखना, चौथा जकात अदा करना और पांचवां हज करना।

वेतन के अभाव में अपने परिवार की आवश्यक जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं कर्मचारी: आइसा

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्विद्यालय में शिक्षक और कर्मचारी को पिछले चार महीनों से वेतन और पेंशन नहीं मिला है। जिसको लेकर स्नातकोत्तर शिक्षक संघ, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय सेवा निवृत शिक्षक संघ और हर प्रसाद दास जैन महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में विवि परिसर में चल रहा धरना 15वें दिन भी जारी रहा। इस वेतन संकट के कारण कर्मचारी आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और लगातार सरकार से वेतन भुगतान

♦ वेतन व पेंशन के सवाल पर वीकेएसयू में चल रहा धरना 15वें दिन भी जारी, आइसा ने सीएम का पुतला फूंका

की मांग कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2024 में भी सरकार ने मात्र तीन बार ही वेतन भुगतान किया था।

मार्च निकाल की गई बैठक : शिक्षक और कर्मचारी के समर्थन के छात्र संगठन आइसा ने भी समर्थन दे रखा है जिसको लेकर शुक्रवार को

आरा के वीकेएसयू में इतिहास विभाग से मार्च निकाल कर पॉलिटिकल विभाग के सामने सभा किया गया। जहां पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान छात्र संगठन से जुड़े कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जम कर नारेबाजी की।

शिक्षक और कर्मचारी विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली का अहम हिस्सा : भोजपुर जिला सह सचिव रौशन कुशवाहा ने कहा कि बिहार के विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों कर्मचारी वेतन के अभाव में अपने परिवार की आवश्यक जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में सरकार की चुप्पी और देरी उनके आक्रोश को और बढ़ा रही है। अगर कर्मचारियों का वेतन शीघ्र नहीं दिया गया, तो इससे विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कार्यों पर भी असर पड़ेगा। शिक्षक और कर्मचारी विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली का अहम हिस्सा होते हैं और उनके बिना प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से नहीं चल सकते। बिहार के विश्वविद्यालयों में वेतन संकट एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कर्मचारियों के लगातार विरोध और चेतावनी के बावजूद सरकार की निष्क्रियता चिंता का विषय है। अगर जल्द कोई समाधान नहीं निकला, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है, जिससे राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों की कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। रौशन ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि होली से पहले वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो आइसा पूरे बिहार में शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन भुगतान के मांग को लेकर आंदोलन करेगा। सरकार के उदासीनता के कारण विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार चलाने में हो रही परेशानियों के कारण वे मानसिक और आर्थिक दबाव में है। शिक्षा विभाग की ओर से अब तक इस मामले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

भोजपुर जिलाध्यक्ष शाहनवाज खान ने कहा कि शिक्षक और छात्र एक दूसरे के बीच समन्वय स्थापित रहता है उसको बिहार के भाजपा और नीतीश की सरकार खत्म कर देना चाहती है। भाजपा और नीतीश सरकार बिहार में नई शिक्षा नीति थोप कर एक तो पहले से ही गरीब , दलित, पिछड़ा और शोषित तबके से आने वाले विद्यार्थियों को दूर करना चाहती है और वहीं दूसरी तरफ इनको 4 माह से वेतन न देना उसी का एक हिस्सा है जो निजीकरण की ओर बढ़ावा दे रही है।

सांसद ने पुराना भोजपुर में चौपाल लगा सुनी किसानों की समस्या, बोले...

बिना इजाजत किसानों की जमीन कोई छू नहीं सकता

♦ अनुमंडल व्यवहार न्यायालय के नाम पर हो रहा है किसानों की जमीन का अधिग्रहण

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर में अनुमंडल व्यवहार न्यायालय बनाने के लिए जमीन का चयन हुआ है, लेकिन जिस जमीन का चयन किया गया है वह किसानों की रैयती व उपजाउ जमीन है। किसानों का कहना है कि सरकार उनसे बिना पूछे जमीन अधिग्रहित कर रही है तथा इसका मुआवजा भी बहुत कम दे रही है। इस मुद्दे पर शुक्रवार को पुराना भोजपुर पहुंच बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने चौपाल लगाया तथा किसानों की समस्या को सुना। सांसद ने कहा कि किसानों की जमीन को जबरन अधिगृहित नहीं करने दिया जाएगा।

सांसद ने पुराना भोजपुर के दक्षिण टोले में चौपाल लगाया था। दरअसल पुराना भोजपुर में अनुमंडल व्यवहार न्यायालय बनना है, इसके लिए

6.378 एकड़ जमीन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जो जमीन चयनित किया गया है वह रैयती जमीन है। अंचल कार्यालय ने प्रस्तावित स्थल का मापी करा लिया है। जिसके बाद किसान इसका विरोध कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि एक तो हमारी जमीन सरकार हमसे बिना पूछे जबरदस्ती छीन रही है, और ऊपर से मुआवजा के नाम पर बहुत ही कम राशि दे रही है।

किसानों ने बताया कि सरकार ने जिस जमीन का चयन किया है वह उपजाउ भूमि है, जबकि आस पास में बंजर व सीलिंग ऐक्ट की कई एकड़ जमीन खाली पड़ी है। सरकार को उपजाउ जमीन के बदले बंजर व सीलिंग ऐक्ट की जमीन पर ही व्यवहार न्यायालय बनाना चाहिए। किसानों ने कहा कि यदि सरकार यह जमीन लेती है तो हम भूखे मर जाएंगे।

सांसद ने दिलाया भरोसा : चौपाल में सांसद सुधाकर सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया कि मैं आपके साथ खड़ा हूं। किसी भी संघर्ष से मैं पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने कहा कि आपकी जमीन बिना आपके इजाजत के कोई छू नहीं सकता। यह लड़ाई आपकी नहीं यह लड़ाई मेरी है। सांसद ने कहा कि जमीन का उचित मुआवजा और जगह का चयन किसानों की सहमति से होगा। बहुफसली जमीनों का उपयोग किसी भी सरकारी तंत्र में विशेष परिस्थितियों में ही लिया जा सकता है। मौके पर अशोक सिंह, कृपाल सिंह, बड़क सिंह, राजेश सिंह, पवन गोंड, जगदीश केशरी, अशोक चौरसिया सहित अन्य कई मौजूद रहें।

चौपाल में उठा होल्डिंग टैक्स का भी मुद्दा

चौपाल में स्थानीय लोगों ने सांसद के समक्ष नगर परिषद द्वारा लगाए गए होल्डिंग टैक्स का मुद्दा भी उठाया और कहा कि नगर परिषद होल्डिंग टैक्स के नाम पर मोटी रकम वसूल रही है। किसानों का कहना था कि हमारे पंचायत को नगर परिषद में शामिल कर दिया गया और घर घर बार कोड साटकर भारी भरकम राशि की मांग टैक्स के नाम पर हो रही है। हम कहां से देंगे। सांसद ने इस मुद्दे को लोकसभा में उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नगर परिषद के अधिकारियों से बात कर टैक्स रेट का रिव्यू कराने का प्रयास किया जाएगा। सांसद ने कहा कि वे हर मुद्दे पर आम जनता के साथ खड़े है।

यूपी का युवक बक्सर स्टेशन से लापता

बक्सर। स्थानीय रेलवे स्टेशन से उतर प्रदेश का एक 30 वर्षीय युवक गायब हो गया है। गायब होने वाले युवक का नाम सुनील चौहान है। वह बलिया जनपद के रसड़ा थाना क्षेत्र के परसियां निवासी पारसनाथ चौहान का पुत्र है। मामले में सुनील के पिता पारसनाथ चौहान द्वारा टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. प्राथमिकी में कहा गया है कि एक दिन पूर्व वह उड़िसा से गांव आने के निकला था और बक्सर स्टेशन पर ट्रेन से शुक्रवार को उतरने के बाद घर नहीं पहुंचा। इसके बाद परिजन उसके बारे में पता लगाते बक्सर स्टेशन पर पहुंचे और पड़ताल कराए तो स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया कि वह सुबह 08 बजे स्टेशन से बाहर निकल रहा है। उसके पास दो मोबाइल हैं, लेकिन दोनों बंद होने से परिजनों की चिंता बढ़ गई है। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा कि अपहरण व मिसिंग की प्राथमिकी दर्ज कर युवक की तलाशी की जा रही है।

देश में युवाओं की संख्या 60 प्रतिशत है और हमारा देश सबसे युवा: संतोष सिंह

केटी न्यूज/आरा

बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह का भोजपुर जिला में आगमन पर आरा परिसदन में भाजपा सहित एनडीए नेताओं और कार्यकताओं द्वारा फूल-माला, गुलदस्ता, अंगवस्त्र आदि के साथ भव्य स्वागत किया गया।

मंत्री ने जिला पदाधिकारियों और एनडीए नेताओं और कार्यकताओं के साथ बैठक किया। बैठक में मंत्री ने कहा कि देश में युवाओं की संख्या 60 प्रतिशत है और हमारा देश सबसे युवा देश है।केन्द्र और बिहार सरकार की बहुत सारी योजनाएं युवा वर्ग के लिए चल रहा हे,जिससे युवाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है। आज देश युवाओं के मेहनत और संकल्प के साथ विकसित बनने की राह पर है। सरकार द्वारा युवा सम्मेलन का

कार्यक्रम प्रत्येक जिला में होगा, जिसकी शुरूआत आरा से ही होने वाला है।

बैठक में विधानपार्षद जीवन कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, पूर्व विधायक संजय सिंह टाईगर, कौशल विद्यार्थी, सिनेट सदस्य संतोष तिवारी, ईं धीरेन्द्र सिंह, हरेन्द्र पांडेय, मिथिलेश कुशवाहा, नरेन्द्र तिवारी, सतीश भट्ट,राजकुमार कुशवाहा, राजेन्द्र तिवारी, महेश पासवान, रामदिनेश यादव,संतोष चंद्रवंशी, संजय कुमार सिंह, आदित्य विजय प्रताप, ममता सिंह, विभु जैन, हरेराम चंद्रवंशी, संतोष तिवारी, निशांत सेंगर, प्रतीक चंद्रवंशी, संजय सिंह, अभिषेक राय, देव कुमार, विकास सिंह, राकेश कुमार पुटुल, आदित्य सिंह, मुकुल सिंह व अन्य एनडीए के नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

फर्जीवाड़ा कर बेच दी दूसरे की जमीन

बक्सर। गलत दस्तावेज बनाकर जमीन बेचने का मामला उजागर हुआ है। फर्जीवाड़ा का यह मामला राजपुर थाना क्षेत्र के सोनपा निवासी शरदेन्दु कुमार राय से संबंधित है। मामले में शरदेन्दु कुमार द्वारा टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिला स्थित कछवा थाना के बजहां निवासी निवेदिता सिंह व उनके पति अनिल सिंह समेत अन्य नामजदों ने साजिश के तहत जालसाजी कर 1 एकड़ 25 डी. जमीन सोनपा निवासी उदय नारायण राम की पत्नी शकुंतला देवी के नाम रजिस्ट्री कर दी गई है। जबकि निवेदिता सिंह के पिता व माता द्वारा अपने हिस्से की जमीन पहले ही बेच दी गई है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इसके बाद मामले की छानबीन की जा रही है।

यांत्रिकीकरण मेला : भोजपुर के 2264 किसानों को मिलेगा कृषि यंत्रों का लाभ

केटी न्यूज/आरा

जिला कृषि कार्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण मेले में जिले के 2264 किसानों को कृषि यंत्रों का लाभ विभाग की ओर से मिलेगा। कृषि विभाग की ओर से जारी किये गये परमिट के आलोक में पहले दिन जिले के 1652 किसानों की ओर से लाखों रुपये के अनुदान पर कृषि यंत्र खरीदे गये।

मेले का उद्घाटन डीएम तनय सुल्तानिया की ओर से दीप जलाकर किया गया। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं का लाभ देने की बात कही। साथ ही कृषि से जुड़ी सभी गतिविधियों और अब तक किसानों के हित में किये गये विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। डीएम ने स्टॉल का निरीक्षण किया।

जिला कृषि पदाधिकारी शत्रुघ्न साहु ने मेले में कृषि विभाग की अब तक की उपलब्धियों एवं यांत्रिकीकरण की जानकारी किसानों को दी। इसी तरह कस्टम हायरिंग योजना में यंत्र बैक के लक्ष्य 10 के आलोक में 10 की उपलब्धि प्राप्त की है। वहीं बीज वितरण की भी जानकारी दी। खरीफ में 2596.84 क्विंटल बीज के विरुद्ध 2596.64 क्विंटल का वितरण किया गया। रबी में 20390 क्विंटल की बजाय 20368.50 क्विंटल बीज वितरण किया गया है। गरमा में 1891 क्विंटल की बजाय 128.38 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है। मौके पर उप परियोजना निदेशक, सहायक निदेशक उद्यान, सहायक निदेशक पौधा संरक्षण, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सदर आरा, केवीके के वैज्ञानिक, बीएओ, कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार समेत कई मौजूद थे।

हेमन ट्रॉफी सीनियर अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता, टर्फ विकेट पर हो रहा मैच

प्रतियोगिता के पांचवें मैच में रोहतास ने कैमूर की टीम के विजय रथ को रोका

केटी न्यूज/आरा

बिहार क्रिकेट संघ एवं भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अंतर जिला हेमन ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता का आज पाचवां मैच कैमूर बनाम रोहतास के बीच प्रातः 9:00 बजे महाराजा कॉलेज के टर्फ विकेट पर शुरू हुआ। कैमूर के कप्तान विकास पटेल टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। रोहतास की टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.3 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाए।

रोहतास की तरफ से तरुण ने शानदार सर्वाधिक 97 रन, समरजीत ने 35 रन एवं सिद्धार्थ ने 29 रन बनाए। इसके अलावा रोहतास का कोई भी बल्लेबाज दहाई अंकों में नहीं प्रवेश कर सका। एक समय

रोहतास का स्कोर 176 रन पर मात्र चार विकेट गिरे थे लेकिन कैमूर की सधी हुई गेंदबाजी के आगे रोहतास की टीम मात्र 206 रनों पर सिमट गई। कैमूर की तरफ से गेंदबाजी करते हुए धनेश चौहान ने एक बार फिर से शानदार गेंदबाजी करते हुए सर्वाधिक चार विकेट, विकास पटेल ने तीन विकेट तथा अनुभव एवं गोपी ने एक-एक विकेट लिया ।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैमूर की टीम 35 ओवर में मात्र 147 रनों पर ढेर हो गई। कैमूर की तरफ से शशांक ने सर्वाधिक 38 रन, आदित्य एवं निशांत ने 26-26 रन तथा अनुभव ने 15 रनों का योगदान किया। अतिरिक्त रनों की संख्या 27 रही। रोहतास की तरफ से गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद परवेज आलम को सर्वाधिक तीन विकेट, सागर, अंशु एवं शुभम को दो-दो विकेट मिला। इस प्रकार रोहतास की टीम ने कैमूर की टीम को 57 रनों के अंतर से हराया। शुक्रवार के मैच के निर्णायक दीपक एवं नीरज थे। मैन्युअल स्कोरिंग मोहम्मद शाहबाज एवं ऑनलाइन स्कोरिंग प्रियांशु ने की। मैच का मैन ऑफ द मैच रोहतास जिला के तरुण को शानदार बल्लेबाजी के लिए इरास्तुति की तरफ से मोमेंटो देकर बिहार क्रिकेट संघ के अंपायर द्वारा सम्मानित किया गया। पूरे मैच के दौरान भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी, पूर्व सीनियर खिलाड़ी संजय कुमार, राकेश सिंह, कैमूर जिला क्रिकेट संघ के पूर्व सीनियर खिलाड़ी संजय कुमार, आकाश कुमार, रोहतास जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष एवं भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जुगसलाई में पिता-पुत्र पर चाकू से हमला

जमशेदपुर, एजेंसी। जुगसलाई थानांतर्गत रेलवे फाटक के पास देर रात परवेज अहमद पर आपसी विवाद में अज्ञात युवकों ने चाकू से हमला कर दिया. हमले में परवेज व बेटा रहमत जख्मी हो गया है. बेटे को पेट व परवेज को हाथ में चाकू लगी है. परवेज किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़े हैं. सूचना पर पुलिस पहुंची व घायलों को एमजीएम अस्पताल लेकर गयी. मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने एक युवक को पकड़ कर पिटाई की. पुलिस ने बदमाश युवक को थाना लेकर गयी, जहां उससे पूछताछ की जा रही है.

चोइरा में कटिंग कर रखे गये 45 लाख के सरिया जब्त

धालभूमगढ़, एजेंसी। मोहलीशोल के चोइरा बस स्टैंड के पास गुरुवार को धालभूमगढ़ पुलिस व टाटा स्टील सिक्योरिटी विभाग के अधिकारियों के साथ छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध रूप से ट्रकों से कटिंग कर रखे गये सरिया जब्त किया. पुलिस ने ट्रकों से कटिंग कर एनएच किनारे रखे सरिया के साथ ट्रेलर पर लदे हुए सरिया भी जब्त किया है. इस संबंध में थाना प्रभारी अमीर हमजा ने बताया कि भारी मात्रा में सरिया जब्त किया गया है. जब्त सरिया का वजन एवं मूल्यांकन किया जा रहा है. टाटा स्टील सिक्योरिटी विभाग की लिखित शिकायत के बाद मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जायेगी.

टाटा स्टील सिक्योरिटी सर्विसेज के हेड गिरीश कुमार शर्मा ने बताया कि बीते कई दिनों से क्षेत्र में टाटा के सरिया की बिक्री कम होने के कारण इसकी गहनता से जांच-पड़ताल की जा रही थी. इसी क्रम में पता चला कि मोहलीशोल में ट्रकों से अवैध रूप से सरिया उतारा जाता है और लोकल बाजार में बेच दिया जाता है. पता चला कि पिकअप वैन(जेएच 05 एएम/ 8408) से कटिंग माल लोकल बाजार में भेजा जाता है. ट्रकों से उतरा गया सरिया बहरागोड़ा से लेकर घाटशिला तक के बाजारों में बेचा जाता है. टाटा स्टील की सिक्योरिटी विभाग ने पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद पुलिस को जानकारी दी. इसके बाद छापेमारी की गयी. उन्होंने कहा कि 25, 16, 12 एवं 8 एमएम की सरिया के अलावा राउंड बिलेट भी जब्त हुए हैं. पूरे माल की कीमत लगभग 45 लाख बतायी गयी.

सूत्रों के अनुसार, मोहलीशोल के चोइरा बस स्टैंड के पास एक स्क्रैप टाल में कई वर्षों से भारी मात्रा में ट्रकों से विभिन्न तरह के सामान लोहे आदि कटिंग कर चोर बाजार में बेचे जाने का कारोबार चलता है. ट्रकों एवं ट्रेलरों से सरिया उतारने का तरीका भी अजीब था. एक पेड़ में जंजीर बांध कर उसमें सरिया को फंसा कर ट्रक से खींच कर उतारा जाता था. इस संबंध में कई बार पुलिस ने छापेमारी कर टाल संचालकों को जेल भी भेजा है. इसके बावजूद भी यह गोरख धंधा चोरी छिपे चलाया जा रहा था.

होल्डिंग टैक्स के एक दर्जन बकायेदारों का बैंक खाता फ्रीज

बोकारो, एजेंसी। फुसरो नगर परिषद के प्रशासक राजीव रंजन ने होल्डिंग ट्रैक्स के 89 बकायेदारों का खाता फ्रीज करने के लिए 11 फरवरी को आदेश पत्र निकालकर सभी बैंकों को निर्देश दिया गया था. इसमें एक दर्जन बकायेदारों का खाता गुरुवार को बैंक ऑफ इंडिया फुसरो शाखा ने फ्रीज कर दिया है. हालांकि तक होल्डिंग टैक्स के बकाया राशि की वसूली नहीं की जा सकी है. जबकि नगर परिषद से आदेश पत्र निकालने के बाद भी अन्य बैंकों ने अब तक बकायेदारों का खाता फ्रीज नहीं किया है. फुसरो नप के होल्डिंग टैक्स के सबसे अधिक राशि के बकायेदारों में श्यामसुंदर प्रसाद का तीन लाख, आशा सिंह का दो लाख, नागेश्वर सिंह पर डेढ़ लाख रुपये बकाया है.

विदित हो कि फुसरो नगर परिषद ने क्षेत्र की लगभग दस बैंक शाखाओं को पत्र के माध्यम से खाता फ्रीज करने का निर्देश जारी किया है. बैंकों को बकायेदारों के नाम, आधार संख्या और मोबाइल नंबर के साथ अन्य जानकारी दी गयी है. बीते 16 दिसंबर 2024 को फुसरो नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने आम सूचना के माध्यम से बकायेदारों को होल्डिंग टैक्स का भुगतान नगर परिषद द्वारा प्राधिकृत एजेंसी रितिका प्राइवेट लिमिटेड में जमा करने का निर्देश दिया था, लेकिन बकायेदारों द्वारा टैक्स की राशि नहीं जमा करने के कारण खाता फ्रीज करते हुए राशि वसूली की प्रक्रिया की जा रही है. फुसरो नप के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने कहा कि जो लोग कार्यालय में राशि जमा करेंगे।

धनबाद में लठैत रखती हैं कोयला कंपनियां, पुलिस भी देती है साथ, सदन में उठी जांच कमेटी के गठन की मांग

रांची, एजेंसी। धनबाद के कोयला खनन इलाकों में बीसीसीएल और आऊटसोर्सिंग कंपनियों की समानांतर सत्ता चलती है। ये रैयतों की जमीन पर कब्जा कर खनन करने के साथ-साथ सरकारी जमीन को भी घेरते हैं। विरोध करने वालों को इनके द्वारा रखे गए लठैत मारते हैं और पुलिस प्रशासन भी उनका साथ देती है। देवप्रभा कंपनी ने आतंक मचा रखा है।

सिंदरी के विधायक चंद्रकांत महतो ने गुरुवार को ध्यानाकर्षण के जरिए विधानसभा में यह मामला उठाते हुए कहा कि जमीन पर जबरन ओबी (ओवर बर्डेन) गिरा दिया जाता है। अधिकारी मूकदर्शक बने रहते हैं। उन्होंने कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बीसीसीएल के विरुद्ध कार्रवाई हो।

बताया कि शौच करने गए एक रैयत पर हाइवा चढ़ा दिया गया। आंदोलन करने पर मुकदमा लाद दिया जाता है। इसपर भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि आरोप सही है। राज्य सरकार कार्रवाई की प्रक्रिया आरंभ करेगी। महतो का साथ कोयलांचल के अन्य विधायकों समेत जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने भी दिया और अपने अनुभव बताए। मंत्री ने स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो से आग्रह किया कि वे नियमन दें। इस प्रकरण की जांच विधानसभा की कमेटी से कराएं। स्पीकर ने कहा कि वे इसपर निर्णय लेकर सूचित करेंगे।

निरसा के विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि कोल इंडिया को राजनीतिक संरक्षण है। कंपनी के लठैत भी उन्हें मारते हैं और पुलिस भी मारती है। मंत्री ने कहा कि यह राजस्व की क्षति और माफियागिरी का मामला है। सरयू राय ने कहा कि जितना इस मामले का उल्लेख किया जा रहा है, वह उससे 100 गुना अधिक है। कंपनियों की गुंडागर्दी चल रही है, ये

ओबी नदी में गिराते हैं।

डुमरी के विधायक जयराम कुमार महतो ने कहा कि यह गंभीर विषय है और वे विधायकों की बात का समर्थन करते हैं, कंपनी के अपने लठैत हैं।

चंदनक्यारी के विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि बीसीसीएल सरकारी जमीन का भी अतिक्रमण करती है, देवप्रभा कंपनी ने आतंक मचा रखा है। उसका राजनीतिक आतंक है और लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। विधानसभा की कमेटी मामले की जांच करे।

मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि विस्थापितों और रैयतों के साथ घटनाएं हो रही है। महिलाएं जमीन में दब गई, समिति बनाइए। मंत्री दीपक बिरुआ ने अंत में कहा कि ऐसे लोग सरकार को चैलेंज कर रहे हैं। सरकारी बर्दाश्त नहीं करेगी। भूमि हड़पने की जांच-पड़ताल भी होगी। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि इसपर विधानसभा की कमेटी बनाएं। वित्त मंत्री-कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के सवाल पर सरकार का जवाब वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने गुरुवार को कहा कि सहारा में फंसे झारखंड के निवेशकों का पैसा दिलाने को लेकर एक अधिकारी को सरकार दिल्ली भेजेगी। बताया कि सरकार ने अब तक इस मामले में छह बार सेंट्रल रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटी को पत्र लिखा है, लेकिन किसी भी पत्र का जवाब नहीं आया है।

एक बार फिर पत्र लिखा जाएगा। एक अधिकारी को भी दिल्ली भेजा जाएगा ताकि वस्तुस्थिति स्पष्ट हो। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के कितने निवेशकों का कितना पैसा सहारा में फंसा, इसकी कोई सूची सरकार के पास नहीं है। सरकार एक पोर्टल बनाने का भी प्रयास करेगी, जिसमें निवेशक अपनी पूरी डिटेल सरकार उपलब्ध कराएंगे ताकि सरकार को यह पता चले कि राज्य के कितने निवेशक हैं।

राज्य के निवेशकों का पैसा दिलाने की जिम्मेवारी सरकार की है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने ध्यानाकर्षण के माध्यम ये यह सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि लाखों निवेशकों का पैसा सहारा में फंस गया है। वह अब तक वापस नहीं हुआ है। उन्होंने सचिव स्तर के दो अफसरों को दिल्ली भेजने की भी मांग की ताकि इस संबंध में केंद्र से संवाद हो सके। चुनावी संयुक्त घोषणा पत्र में भी यह वादा किया गया है कि सहारा के निवेशकों का पैसा दिलाने की पहल होगी

कल्पना के सवाल पर सरकार का जवाब- गांडेय की झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से राज्य में बंद पड़े चेकपोस्टों को फिर से चालू करने कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के कई चेकपोस्ट बंद हो गए हैं। ऑनलाइन काम हो रहा है। इससे काफी कम राजस्व सरकार को मिल रहा है।

अभी मात्र 23 करोड़ रुपये ही राजस्व मिल पा रहा है। चेकपोस्ट आरंभ करने से सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी। यह लगभग 100 करोड़ रुपये हो सकता है। इस पर परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ ने कहा कि परिवहन विभाग का चेकपोस्ट पहले काम करता था, अभी यह बंद है। उन्हें फिर से शुरू करने के लिए सरकार गंभीरता से विचार करेगी। इस संबंध में बगल के राज्यों की नीति का आकलन किया जायेगा और उसके बाद चालू किया जाएगा। इससे 100 करोड़ मिलने की उम्मीद है। तीन महीने के अंदर इस संबंध में कार्रवाई की जाएगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यह राजस्व से जुड़ा मामला है। सीमावर्ती क्षेत्र में चेकपोस्ट आरंभ हो तो सरकार को 250 से 300 करोड़ रुपये राजस्व मिलेगा।

मरीजों के सिर्फ दांत उखाड़ रहा मेडिकल कॉलेज का डेंटल विभाग, ओपीडी में नहीं है आरसीटी व फिलिंग की व्यवस्था

धनबाद, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के डेंटल विभाग मरीजों का सिर्फ दांत उखाड़ रहा है. अस्पताल के दंत विभाग के ओपीडी में मरीजों को चिकित्सीय परामर्श मिलता है, अन्य सेवाओं के लिए सदर अस्पताल या फिर निजी चिकित्सकों की ओर रुख करना पड़ता है. कहने को यह राज्य का तीसरा सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है. लेकिन दांतों की तकलीफ से जुड़े मरीजों का यहां समुचित इलाज नहीं मिलता है. यहां न तो आरसीटी की व्यवस्था है और न ही फिलिंग की. मेडिकल कॉलेज के डेंटल विभाग की ओपीडी में डेंटल चेयर तक जर्जर है. इसी चेयर पर बैठकर मरीजों के दांतों की जांच की जाती है. वर्तमान में ओपीडी में तीन में दो डेंटल चेयर जर्जर हो चुके हैं. मरम्मत कराकर इससे काम लिया जा रहा है.यही वजह है कि मेडिकल कॉलेज के बजाय सदर अस्पताल के दंत विभाग के ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है. रिकॉर्ड के अनुसार हर दिन मेडिकल कॉलेज के दंत विभाग के ओपीडी में 20 से 30 मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं. वहीं सदर अस्पताल के दंत विभाग की ओपीडी में हर दिन मरीजों के पहुंचने की संख्या औसतन 40 के पार हैं.

मेडिकल कॉलेज के डेंटल विभाग में दांतों की फिलिंग, सफाई, इम्प्लांट समेत अन्य चिकित्सा सेवा उपलब्ध नहीं है. डेंटल विभाग के कर्मियों के अनुसार संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं. चिकित्सक सिर्फ चिकित्सीय परामर्श देते हैं.

बता दें कि वर्तमान में एसएनएमएमसीएच के डेंटल विभाग में कुल छह चिकित्सक की नियुक्ति है. इनमें एचओडी डॉ एके शिवम समेत तीन सीनियर रेजिडेंट (एसआर) व दो जूनियर रेजिडेंट (जेआर) शामिल हैं. इसके अलावा विभाग के ओपीडी में तीन स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति है.

दंत विभाग के एचओडी डॉ एके शिवम ने बताया कि दांतों से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए कई सामानों की जरूरत होती है. सामानों की सूची तैयार कर कई बार अस्पताल प्रबंधन को रिक्वायरमेंट लिस्ट भेजी गयी. अबतक सामान नहीं मिला है. जो संसाधन उपलब्ध हैं, उसी के अनुसार चिकित्सा सुविधा दी जा रही है. संसाधनों के बगैर मरीजों का समुचित इलाज कैसे करेंगे.

ट्रांसपोर्ट ऑफिस में हुए फर्जीवाड़े से मचा हड़कंप, शिकायत लेकर पहुंचे 250 से ज्यादा लोग

हजारीबाग, एजेंसी। जिला परिवहन कार्यालय में पुराने लाइसेंस को ऑनलाइन करने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ है। यहां 1990 से लेकर 2000 के बीच मैन्युअल रूप से जारी किए 600 से अधिक लाइसेंस के मालिक बदल कर किसी और के नाम से लाइसेंस जारी कर दिया गया है। मामला हैवी लाइसेंस से जुड़ा हुआ है।

इस बात का खुलासा परिवहन कार्यालय में आए आवेदनों से हुआ है। करीब 250 से अधिक आवेदन कार्यालय को प्राप्त हुए और सभी में एक ही प्रकार के आरोप है।

पत्र में शिकायत की गई है कि उनके नाम से जारी लाइसेंस में ऑनलाइन जांच करने के बाद किसी और का नाम और फोटो दिखाई दे रहा है। उनके नाम के लाइसेंस को किसी और के नाम से जारी कर दिया गया है।

इस बात की जानकारी सामने आने के बाद से कार्यालय में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार कोविड काल से लेकर 2024 तक इस तरह का खेल परिवहन कार्यालय में हुआ है। पुराने लाइसेंस का उपयोग भारी वाहनों के लिए जारी करने वाले हैवी लाइसेंस में किया गया है।

दलाल के माध्यम से कार्यालय कर्मियों ने मिलीभगत कर प्रति लाइसेंस 20-30 हजार रुपये लेकर यह खेल किया गया है। जांच होने पर विभाग के कई लोगों का नाम इसमें सामने आ सकता है।

नियम के अनुसार भारी वाहनों के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए एक लाइसेंस की उम्र एक वर्ष होनी चाहिए। परंतु हजारीबाग में बिना नियम तोड़े दलालों ने मालिक का नाम बदलकर 600 से अधिक लाइसेंस कार्यालय की ओर से जारी कर दिए।

जामताड़ा में आरजेडी के पूर्व जिलाध्यक्ष के बेटे को बदमाश ने मारी गोली, गंभीर हालत में रेफर

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। मिहिजाम के कानगोई स्थित झामुमो कार्यालय के सामने राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष भोला यादव के पुत्र विनय यादव को गोली मार दी गई। वह दुकान बंदकर दोपहर में कानगोई स्थित घर जा रहे थे।

इस दौरान पीछे से बदमाश ने उन्हें गोली मार दी। गोली विनय यादव के पीठ में लगी है। जख्मी हालत में उन्हें कस्तूरबा गांधी हॉस्पिटल चित्तरंजन में भर्ती किया गया।

यहां प्राथमिक उपचार के बाद दुर्गापुर हेल्थ वर्ल्ड में रेफर किया गया है। पुलिस ने घायल विनय यादव से पूछताछ की, पूछताछ में विनय ने पुलिस को एक व्यक्ति का नाम बताया है। इस आधार पर एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

शहर के विश्वकर्मा मंदिर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-419 से 44 वर्षीय व्यवसायी विनय कुमार यादव अपनी बलुट बाइक से घर जा रहे थे। इस दौरान अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने फिल्मी अंदाज में पीछे से गोली मारकर फरार हो गया। घटना दोपहर करीब दो बजे की है।

गोली लगते ही विनय सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने उन्हें संभाला और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही मिहिजाम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था।

पुलिस ने घायल को इलाज के लिए चिरेका स्थित केजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दुर्गापुर रेफर कर दिया। इससे पहले विनय ने पुलिस को बताया कि दो दिन पहले कुछ लोगों के साथ उसका विवाद हुआ था। उन्ही लोगों ने गोली मारी है। विनय ने बदमाशों का नाम और पता भी पुलिस को बताया है।

पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने सड़क पर गिरे खून के नमूनों को इकट्ठा कर जांच के लिए भेज दिया।

इसके अलावा पुलिस घटनास्थल के आसपास के निजी घरों और दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है, ताकि अपराधी की पहचान की जा सके।

मिहिजाम थाना प्रभारी विवेकानंद दुबे ने बताया कि संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ जारी है। जल्द ही अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कृषि विभाग की अनुदान मांग ध्वनि मत से पारित

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की 24 अरब 21 करोड़ 8 लाख 16 हजार की अनुदान मांग ध्वनि मत से पारित हो गयी. इस दौरान मुख्य विपक्षी दल भाजपा के विधायक गैर मौजूद रहे.

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अनुदान मांग पर चर्चा के बाद सरकार की ओर से जवाब देते हुए कहा कि हमारी सरकार आलोचना से डरने वाली नहीं है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि विपक्ष के साथी सदन में नहीं है. अभी लंबा सफर तय करना है. झारखंड की उबड़ खाबड़ छोटे भूखंड और पानी का अभाव कृषि को प्रभावित करता है. किसान सबसे पहले बीज की चिंता करता है. फिर बारिश की राह ताकते रहते हैं. उसके बाद कृषि ऋण की चिंता सताती है. इसके बाद उसे अपने फसल को स्टोर करने की चिंता रहती है. हमारी सरकार 1 लाख क्विंटल से अधिक बीज का वितरण कर चुकी है. चुनावी वर्ष में बीज वितरण के दौरान थोड़ी दिक्कत जरूर आई है.

किसान हित में बड़े फैसले लेने की तैयारी- वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिरसा पक्का चेक डैम योजना लाया जा रहा है. इसके जरिए छोटी नदियों के पानी को खेतों की ओर डायवर्ट किया जाएगा. कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि उनकी सरकार अब 2 लाख तक

का कृषि ऋण माफ कर रही है. अभी तक स्टैंडर्ड लोन को माफ किया गया है क्योंकि इस खाते में टाइमली रीपेमेंट होता रहा है. अब हेमंत सरकार एनपीए खातों के लिए फैसला लेने की तैयारी कर रही है.

छोटा कोल्ड स्टोरेज ज्यादा कारगर- जिला स्तर पर 5000 मीट्रिक टन क्षमता वाला कोल्ड स्टोरेज बनाया जा रहा है. सिर्फ रामगढ़ धनबाद, बोकारो और खूंटी इससे वंचित है. कृषि मंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर बड़े कोल्ड स्टोरेज बना देने से किसानों की समस्या का समाधान नहीं होगा. व्यक्तिगत रूप से उनका मानना है कि बाजारों के आसपास 5 से 10 मीट्रिक टन क्षमता वाले छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज बनाना बेहतर रहेगा. इस बार के बजट में इसका प्रावधान किया गया है.

कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चाहते हैं कि पूरे राज्य में 100 बिरसा कृषि पाठशाला बने, क्योंकि किसान प्रयोग करने से घबराते हैं. अभी पूरे राज्य में 50 से अधिक कृषि पाठशाला का संचालन हो रहा है. इससे किसानों को उत्तम खेती की जानकारी मिल रही है. दुमका के करों में संचालित बिरसा कृषि पाठशाला का टर्नओवर 22 लाख तक पहुंच गया है.

झारखंड के खेतों में भर गया है केमिकल- कृषि मंत्री ने कहा कि झारखंड में यूरिया की खपत में बेतहाशा वृद्धि हुई है. इसमें एनपीएफ यानी नाइट्रोजन, पोटेशियम और फास्फोरस के बीच 2-1-1 का रेसियो होना चाहिए. आज यह रेसियो 29-17-1 के स्तर पर पहुंच गया है. इससे पता चलता है कि झारखंड जो कभी नेचुरल खेती के लिए जाना जाता था आज वहां के खेतों में केमिकल भरा हुआ है.

बाथरूम का दरवाजा अंदर से था बंद, आईआईटी-आईएसएम के हॉस्टल में मिला इंदौर के छात्र का शव

धनबाद, एजेंसी। आईआईटी आईएसएम में गुरुवार को एक छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक छात्र का नाम तन्मय प्रजापति है, जो मध्य प्रदेश के इंदौर का रहने वाला था। वह बीटेक इलेक्ट्रिकल एंड कम्युनिकेशन विभाग के सत्र 2022-26 के तृतीय वर्ष का छात्र था।

उसका शव संस्थान के एक्का मरीन हॉस्टल के 13वीं मंजिल के बंद टॉयलेट से बरामद किया गया। दवा का ओवरडोज लेकर आत्महत्या करने की आशंका जताई गई है।

फिलहाल उसका शव बरटांड़ के एशियन जालान अस्पताल के मोर्चरी में रखा गया है। सूचना मिलने के बाद स्वजन इंदौर से धनबाद के लिए सड़क मार्ग से रवाना हो गए हैं।

गुरुवार की अलसुबह लगभग चार से पांच बजे के बीच तन्मय एक्का मरीन हॉस्टल के टॉयलेट में गया था। काफी देर तक टॉयलेट का दरवाजा नहीं खुलने से अन्य छात्रों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को सूचना दी।

सिक्योरिटी सुपरवाइजर और सहायक सुरक्षा अधिकारी टॉयलेट की ओर दौड़े। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो दरवाजा तोड़कर वे अंदर घुसे, जहां उसका शव पड़ा था।

उसे एंबुलेंस में लेकर पहले आईआईटी के हेल्थ सेंटर गए। बाद में एशियन जालान अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने सुबह 10¬05 पर उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की छानबीन को पहुंचे डीएसपी नौशाद आलम ने कहा कि प्रथम दृष्टया दवा के सेवन से मौत की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

आईआईटी के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी राम मनोहर कुमार ने कहा कि बंद टॉयलेट को तोड़कर छात्र को बाहर निकाला गया, जहां अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के कारण के बारे में उन्होंने कहा कि फिलहाल इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है।

आईआईटी छात्र तन्मय मानसिक रूप से बीमार रहता था। उसकी इस बीमारी के कारण एक साल पहले आईआईटी प्रबंधन ने उसे वापस घर भेज दिया था। कुछ दिनों तक घर पर रहने के बाद हालत में सुधार होने पर वह वापस संस्थान आ गया था।

तन्मय के पिता महेंद्र प्रजापति का निधन हो चुका है। उसकी मां अनुराधा देवी सिलाई कर खर्च निकालती हैं। शायद इसी वजह से वह मानसिक तनाव में रहने लगा था। तनाव के कारण उसने दो परीक्षाएं भी छोड़ दी थी।

बीजेपी नेता सीता सोरेन क्या करेंगी घर वापसी, झामुमो भी स्वागत को तैयार, इस बयान पर सियासत का बाजार गर्म

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हुई सीता सोरेन ने झारखंड सरकार की जमकर तारीफ की. गुरुवार रात कतरास में एक शादी समारोह में पहुंची सीता सोरेन ने मीडिया से बातचीत के दौरान हेमंत सरकार की खूब प्रशंसा की. उन्होंने कहा, झामुमो के नेतृत्व में गठित इंडिया गठबंधन की सरकार राज्य में बेहतर काम कर रही है. सीता सोरेन के इस बयान पर झामुमो नेता मिथिलेश ठाकुर भी उनकी घर वापसी पर स्वागत करने की बात कही है.

भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार सभी क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रही हैं. सीता सोरेन ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना को काफी लोकप्रिय बताया. उन्होंने कहा मंईया

सम्मान योजना तो अभी शुरुआत है सरकार आने वाले दिनों में और भी बेहतर योजनाओं पर काम करेगी.

विपक्ष पार्टी की जमकर तारीफ करने के बाद भाजपा नेत्री सीता सोरेन की घर वापसी को लेकर चर्चा तेज हो गई है. मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, स्वागत रहेगा. जिसका साफ मतलब है कि अगर सीता सोरेन घर वापसी करना चाहती है तो पार्टी उनका स्वागत करने को तैयार है.

सीता सोरेन कई बार झामुमो के टिकट से विधायक रह चुकी है. लेकिन लोकसभा चुनाव से पूर्व पार्टी के साथ हुई आपसी अन-बन के बाद सीता सोरेन ने भाजपा का हाथ थाम लिया. भाजपा के टिकट पर वह दुमका लोकसभा चुनाव लड़ीं लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा. विधानसभा चुनाव में भी उन्हें जामताड़ा से उम्मीदवार बनाया गया लेकिन यहां भी उन्हें सफलता नहीं मिली.

सुभाषितम्

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

- हरिवंश राय बच्चन

भेदभावपूर्ण पूर्वाग्रहों से ग्रस्त दुनियां में नारी सम्मान की बात

महिला दिवस मनाने के लिए दुनियां आज इस कदर कतारबद्ध हो एकजुटता दिखा रही है, मानों जुल्म और ज्यादती की स्याह रात गुजरने वाली है और सुबह का सूरज तमाम महिलाओं को उनके अपने समानता के अधिकारों के साथ ही सुरक्षा और सम्मान का अधिकार देने वाला है। एक बारगी विचार करें तो पाएंगे कि यदि ऐसा हो जाए तो दुनियां की आधी से अधिक समस्याएं तो चुटकी बजाते ही समाप्त हो जाएंगी। कहने को तो हम उस युग से बहुत आगे निकल आए हैं जबकि परिवार में बेटी का पैदा होना अभिषाप माना जाता था। बेटी के जन्म लेते ही उसका गला घोंट दिया जाता था। इस अपराध के पीछे समाज में फैली अशिक्षा और आपराधिक प्रवृत्तियों का बोलवाला होना बताया जाता रहा है। सदियां गुजरीं हालात भी बदले, लेकिन जो सम्मान और समानता की महिलाएं और लड़कियां हकदार हैं उन्हें वह आज तक हासिल नहीं हुआ। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का विषय भी सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए झ अधिकार, समानता और सशक्तिकरण की याद दिलाने का काम कर रहा है। इससे पहले सभी धर्मग्रन्थ बता चुके हैं कि जहां नारी का सम्मान होगा वहां देवता का वास होगा। माँ के कदमों तले जन्नत का आखिर मतलब क्या है? क्या यह नारी के सम्मान और उसके अधिकार पर मोहर लगाने जैसा आर्ष वाक्य नहीं है। काश के इन्हीं पर अमल कर लिया जाता तो शायद नारी के खिलाफ होने वाले आधे से अधिक अपराध भी खत्म हो हो जाते। शास्त्र कहते हैं- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः॥ अर्थात जिस स्थान पर स्त्रियों को पूजा जाता है और उनका सम्मान व सत्कार होता है, उस स्थान पर देवता प्रसन्न रहते हुए सदा वास करते हैं और जहां ऐसा नहीं होता, वहां सभी धर्म और कर्म निष्फल हो जाते हैं। नारी को संपूर्ण सृष्टि का आधार यूं ही नहीं कहा गया है। वह नवजीवन का संचार करती है, प्रेम की मूर्ति और घर-परिवार में रिश्तों को संवारने वाली अदम्य शक्ति की पर्याय होती है। भारतीय संस्कृति में तो नारी को शक्ति, ममता और त्याग समेत अन्य रुपों में पूजने का विधान है। इससे स्पष्ट है कि सदियों से नारी के महत्व और उसके सम्मान को रेखांकित किया जाता रहा है, लेकिन जब बात धरातल में सत्य खोजने की आती है तो वही ढाक के तीन पांत वाली कहावत चरितार्थ हो जाती है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें पूर्वाग्रह और भेदभाव से मुक्त दुनिया के लिए प्रयास करने की याद दिलाता नजर आ रहा है। एक बार फिर बतलाया जा रहा है कि लैंगिक समानता हासिल करने के लिए अथक प्रयासों और लगातार कार्रवाई करने के साथ ही समाज में जागरूकता और नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है। इसमें दो राय नहीं कि आज के आधुनिकतम समाज की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं, और लगातार आगे बढ़ने का प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी अनेक चुनौतियाँ हैं, जो उनकी प्रगति के रास्ते में रोढ़ा बनकर खड़ी हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज के इस पढ़े-लिखे समाज में भी महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। घर-परिवार और कार्यक्षेत्र में लैंगिक भेदभाव के साथ ही शिक्षा में असमानता देखने को मिल ही जाती है। दहेज प्रथा जैसी कुरीति पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और न ही बाल विवाह जैसी बुराइयां ही पूरी तरह नष्ट हो पाई हैं। बावजूद इसके जिन महिलाओं ने राष्ट्र और विश्व स्तर पर अपने सदकार्यों से नाम कमाया और दुनियां को अपना लोहा मनवाया उन्हें सलाम है। ऐसी नारी शक्ति वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का काम करती हैं। ऐसी ही नारी शक्ति शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति में भागीदारी, आर्थिक सशक्तिकरण और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नीतियों, कार्यक्रमों और निवेशों का मार्गदर्शन करती है। इन शक्तियों का सम्मान तो होना ही चाहिए। इन सब के बीच संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन द्वारा बीजिंग घोषणा-पत्र की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर जो अभियान चलाए जा रहे हैं उनकी अपनी उपयोगिता है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती।

अब अबला नही है नारी !

डा. श्रीगोपाल नारसन

भले ही नारी को कभी दोयम दर्जे का माना जाता रहा हो,लेकिन आज नारी तमाम विसंगतियों को धकियाकर अपने कैरियर के पंख फैलाकर आकाश को छू लेने की कोशिश में है।हालांकि जो मां जन्म देती है ,वही पुत्र के लालच में कोख में पल रही कन्या को भ्रूण रूप में ही हत्या तक कराती रही है।इसी कारण हरियाणा जैसे राज्यो में लिंग असमानता हावी रही है। लेकिन कानून की सख्ती व समाज मे आई जागरूकता से परिस्थिति बदली है। अपनी विभिन्न उपेक्षाओं के बावजूद नारी ने जीना सीखा है और सफलता की मंजिल पर आगे बढ़ी है।तभी तो फुलबासन बाई जो कभी दो वक़्त की रोटी को मोहताज थी, आज वह दो लाख महिलाओं का समूह बनाकर उन्हें रोजगार देने की सफलता की इबादत लिख चुकी है। श्रीमती फूलबासन के नेतृत्व में दो लाख से भी अधिक महिलाओं के इस स्वरोजगार समूह ने शराब में डूबे पुरुषों को सुधारने के लिए भी आंदोलनात्मक अभियान चलाया हुआ है।वे सत्संग के माध्यम से महिलाओं को जोड़ने और उनके जीवन को सही दिशा देने में पिछले बीस साल से जुटी है। उनकी इस उपलब्धि के लिए गत वर्ष सोनी टीवी के धारावाहिक ह्यकौन बनेगा करोड़पति में कर्मवीर के सम्मान से नवांजी गई छत्तीसगढ़ की पद्मश्री फूलबासन बाई यादव ने हॉट सीट पर बैठकर फिल्म अभिनेत्री रेणुका शहाणे की मदद से पचास लाख रुपये जीते थे। फुलबासन अपनी संस्था ह्यमां बम्लेश्वरी जनहित समितिह्न के जरिए समाज सेवा करती हैं। 52 वर्ष की फूलबासन यादव छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ी महिलाओं के विकास के लिए काम कर रही हैं।स्वयं आत्मनिर्भर बनने व दुसरो को बनाने के लिए फूलबासन का गरीबी से संघर्ष और दूसरों को सशक्त बनाने का योगदान काफी प्रेरणादायक है।

इसी तरह 88 वर्षीया निशानेबाज दादी प्रकाशी ने कभी अंग्रेजी की पढ़ाई नही की, लेकिन फरार्टेदार अंग्रेजी बोलती रही।न बचपन मे न कभी जवानी में ,उसने कभी बन्दूक को हाथ नही लगाया और न ही कभी तीर कमान चलाई लेकिन उसका निशाना ऐसा है जो हमेशा सटीक बैठता है। तभी तो प्रकाशी को दुनिया भर के लोग शूटर दादी या फिर रिवॉल्वर दादी के नाम से जानते और पहचानते है। पिछले साल ह्रदयघात को मात देकर स्वस्थ हुई प्रकाशी दादी ने कहा कि बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ ही नहीं बेटी खिलाओ भी जरूरी है।यानि बेटियो को खेल के क्षेत्र में भी दो दो हाथ आजमाने चाहिए। उन्होंने चार के बजाए छ अक्षरों का बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ,बेटी खिलाओ का नारा उदघोषित किया।उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के गांव जोहड़ी गांव की रहने वाली दादी प्रकाशी निशानेबाजी में अनेक प्रतियोगिता जीत चुकी हैं तथा निशानेबाजी के लिए देश विदेश की यात्राएं कर चुकी है। इतना ही नहीं, जिस उम्र में बुजुर्ग महिलाएं परमात्मा की याद के लिए पूजा,पाठ भजन आदि हेतु मंदिरों का रुख करती हैं। उस उम्र में प्रकाशी तोमर ने शूटिंग रेंज जाना शुरू किया था। शूटिंग में ख्याति प्राप्त कर चुकी प्रकाशी तोमर देश विदेश में शूटर दादी या फिर रिवॉल्वर दादी के नाम से मशहूर हो चुकी है। निशानेबाजी में प्रकाशी देवी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई मेडल और ट्रॉफी झटक चुकी हैं। प्रकाशी देवी को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा नारी शक्ति अवॉर्ड भी दिया जा चुका है। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आइकन लेडी अवार्ड से सम्मानित किया गया है।वही दुनिया मे सर्वाधिक स्थिर मन की मल्लिका रही ब्रह्माकुमारी दादी जानकी की ईश्वरीय साधना इस कदर थी कि उनके और परमात्मा के बीच मे कभी कोई तीसरा नही रहा। वे हमेशा परमात्मा की याद में लीन रहती और परमात्मा से राजयोग लगाकर बतियाती रहती थी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका रही दादी जानकी ने 104 वर्ष की आयु तक अपना लौकिक जीवन जिया। जब किसी बड़ी सभा मे वह बोलती तो कहती थी, इतनी हजारों की संख्या में मेरे मीठे-मीठे भाई बहनों को देखकर बहुत खुशी होती है। वे सबसे पहले सभी को तीन बार ॐ शांति बुलवाती थी। दादी जानकी ने कभी अपने पास कोई पर्स नहीं रखा,परन्तु वे आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व की सबसे धनी नारी शक्ति रही । शिव बाबा ने खुशी, विश्वास और दुआओं से उनका दामन हमेशा भरकर रखा। वे कहती थी, दुआयें हमारे जीवन का श्रंगार हैं। उन्होंने जीवनभर तीन बातों- सच्चाई, सफाई और सादगी का पालन किया। यही तीन बातें उनके जीवन का आधार, उनकी पूंजी और उनकी शक्ति रही। उन्हें पल- पल महसूस होता था कि शिव बाबा का साथ है और उनसे बाते कर रहा है।दादी जानकी अपने जीवन का अनुभव सुनाया करती थी कि परमात्मा पल पल उनके साथ रहता है और उन्हें सदा परमात्मा की मदद का अनुभव होता है। क्योंकि उन्हें मन- वचन- संकल्प और कर्म में एक परमात्मा के सिवाए और कुछ याद ही नहीं रहता । वे कहा करती थी कि सभी खुश रहें, मस्त रहें और सदा परमात्मा के साथ जीवन में आगे बढ़ते रहे। उनका कहना था कि ईश्वर की मदद, ईश्वर का साथ और ईश्वर को अपना बना लेना ही जीवन सफल करना है। जितना हो ,उतना साइलेंस का अभ्यास बढ़ाओ, क्योंकि साइलेंस की पावर सबसे बड़ी पॉवर है। इसी तरह सी. वनमती केरल के एक गरीब परिवार में पैदा हुई । किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन यह लड़की भारतीय प्रशासनिक सेवा यानि आईएएस अधिकारी बनेगी। वनमती के पिता किराये की कार पर ड्राईवरी करके किसी तरह से घर चलाते थे।इतनी कम आमदनी में आईएसएस बनने की सोचना और उसके लिए संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओ में सफल होना असंभव सा लगता था, लेकिन वनमती के कड़े परिश्रम ने उसे इस मंजिल तक पहुंचाया। भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी वनमती को प्रेरित करने वाली छात्र जीवन मे दो बाते रही । पहली यह कि उनके गृहनगर में जिला मजिस्ट्रेट एक महिला थीं, जिन्हें सभी सम्मान देते थे और दूसरी गंगा यमुना सरस्वती नामक एक सीरियल में, नायक एक महिला आईएएस अधिकारी का किरदार उन्हें बहुत भाया था। वनमती इन्ही दो बातों से प्रेरित हुईं और फिर अपनी मंजिल तय करने के लिए आगे बढ़ गईं। इसके लिए वनमती को स्कूल जाने के साथ-साथ घर के कामों में भी हाथ बंटाना पड़ता था। वे आजीविका का साधन बनी अपनी भैंसों को चराने के लिए चरागाहों में जाती थी,उनके लिए खिलाने हेतु चारा जंगल से काटकर घर भी लाना पड़ता था। वनमती ने जब 12वीं पास की तो रिश्तेदारों ने शादी के लिए परिवार पर दबाव डालना शुरू कर दिया, लेकिन आईएएस बनने का सपना लिए वनमती बगावत पर उतर आई और शादी करने से साफ इनकार कर दिया। अच्छी बात यह रही कि इस दौरान परिवार का समर्थन भी वनमती के साथ बना रहा।वनमती का परिवार हालांकि आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं था, लेकिन परिवार हमेशा उसके साथ सहयोगी बनकर रहा और उन्हें कॉपी किताबें जैसे पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराता रहा। वनमती को अपने परिवार से अच्छा समर्थन मिलने और उनके माता-पिता के वनमती के हित को सर्वपरि रखकर लिए गए फैसले से वनमती की राह आसान हो गई थी। परिवार ने वनमति को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया और 12 वीं कक्षा पूरी करने के बाद लड़की की शादी करने की परंपरा को बंद करने में अग्रणी भूमिका निभाई।स्नातक करने के बाद वनमती ने कंप्यूटर एप्लीकेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन का कोर्स पूरा किया। उन्होंने जेब खर्चे के लिए एक निजी बैंक में नौकरी भी की। इसके बाद वनमती सन 2015 में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शामिल हुई। इस परीक्षा में उनकी सारी मेहनत, पसीना और आंसू उस समय सब कारगर हो गए,जब इस परीक्षा में वनमती सफल हो गई। यानि जब से जागरूकता आई है तब से अपने अधिकारों को प्राप्त करने और उत्पीड़न व शोषण के विरूद्ध आवाज उठाने में नारी शक्ति पहले से कही ज्यादा सक्षम हुई है। तभी तो घर मे शौचालय नही है तो बनवाओ, तभी होगी शादी, शादी के लिए दहेज की शर्त न मानने और स्वयं दहेजलोभी दूल्हे को ठुकराने का साहस दिखाने में नारी ने स्वयं को तैयार किया है।

सन्यास लेने से क्यों डरते हैं हमारे नेता?

राकेश अचल

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। दुनिया के तमाम क्रिकेटर स्मिथ की तरह ही क्रिकेट से एक तय समय के बाद खुद सन्यास लेने का सार्वजनिक ऐलान करते हैं ,लेकिन दुनिया में खासतौर पर भारत में ऐसे बहुत कम नेता हैं जो स्वेच्छा से राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान करते हों। भारतीय परम्परा में तो सन्यास जीवन की सर्वोत्कृष्ट अवस्था है। सन्यास की सनातन परम्परा सामंतकाल में भी थी लेकिन लोकतंत्र में इसका परित्याग कार दिया। अकेली राजनीति ऐसी है जिसमें आश्रम व्यवस्था लागू नहीं होती। यानि न नेता ब्रम्हचर्य का पालन करता है ,न गृहस्थ रहना चाहता है और न वानप्रस्थ में जाना चाहता है ,सन्यास लेना तो बहुत दूर की बात है। राजनीति में जब कोई सन्यास नहीं लेता तो उसे मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया जाता है। मैंने जब से होश सम्हाला है तभी से राजनीति में सक्रिय बहुत कम लोगों को राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा करते देखा है ,उलटे सन्यास ले चुके लोग राजनीति में घुसपैठ करते जरूर देखे हैं और इस समय तो राजनीति में सन्यासियों की पौ -बारह है।वे केंद्र में भी मंत्री हैं और मुख्यमंत्री भी। खिलाडियों में सन्यास लेना आम बात है लेकिन राजनीति में सन्यास लेना खास घटना मानी जाती है। नेताओं को उनकी अपनी पार्टियां जबरन हाशिये पर डाल देतीं हैं क्योंकि वे खिलाड़ियों की तरह खेल भावना से राजनीयति से सन्यास नहीं लेते। किसी भी दल में सन्यासी न हों ऐसी बात नहीं है ,लेकिन उनकी संख्या न के बराबर है। नानाजी देशमुख या कामराज या ज्योति बसु जैसे बहुत कम नेता हुए हैं जिन्होंने स्वेच्छा से सन्यास लिया हो। सवाल ये है कि आखिर राजनीति में ऐसा क्या है जो नेता उससे सन्यास नहीं लेना नहीं चाहते? इस विषय पर न किसी ने शोध किया है और न पीएचडी की उपाधि हासिल की है ,क्योंकि इस विषय पर शोध करने की न फुरसत है और न इजाजत। मान लीजिये इजाजत मिल भी जाए तो गाइड नहीं मिलेगा। क्योंकि विषय ही अछूत है।

राजनीति से सन्यास लेने वाले भारत के प्रमुख नेताओं पर यदि आपको निबंध लिखने के लिए कह दिया जाये तो आप मुश्किल से एक-दो पृष्ठ ही लिख पाएंगे,क्योंकि राजनीति से ससम्मान सन्यास लेने वाले हैं ही गिने चुने। देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर आज के प्रधानमंत्री तक किसी ने राजनीति से सन्यास लेने के बारे में कार्ययोजना बनाना तो दूर, कभी सोचा तक नहीं। इस मामले में हर विचारधारा के नेता एक जैसा सोचते है। राजनीति में व्यक्ति जीवन पर्यन्त सक्रिय रहना चाहता है। कुर्सी के बिना जीवित रहना किसी भी नेता के लिए असम्भव काम है। भारतीय राजनीति में कोई सन्यास नहीं लेता लेकिन शारीरिक अस्वस्थता की वजह से उसे घर बैठना पड़े तो अलग बात है। मिसाल के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी।

दुनिया में राजनीति ही एक मात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ सन्यास का न कोई लिखित विधान है और न कोई विवादास्पद इतिहास। राजनीति में कोई औरंगजेब भी तो नहीं है जिसने कम से कम पचास साल शासन किया हो। हमारे सनातन में तो राजा-महाराजा अपने जीते जी अपने उत्तराधिकारी की न सिर्फ घोषणा कर देते थे बल्कि उनका राज्याभिषेक भी करा देते थे। राजनीति में नेता अपना उत्तराधिकारी तो घोषत करते हैं लेकिन खुद सन्यास नहीं लेते। हमारी संसद और विधानसभाओं में पिता-पुत्र ,पति-पत्नी,भाई-भाई साथ -साथ मिल जायेंगे। राजनीति से नेताओं को सन्यास केवल मृत्यु ही दिलाती है। मुमकिन है कि मै गलत होऊं ,लेकिन मैंने तो अपनी स्मृति में अपवादों को छोड़ किसी को औपचारिक रूप से सन्यास लेते नहीं देखा। आपने देखा हो तो जरूर बताएं। मौजूदा राजनीति में हमारे तमाम नेता 80 पार कर चुके हैं लेकिन राजनीति छोड़ने को तैयार नहीं हैं ,ये भी पता नहीं चल पता कि राजीति ने नेताओं को पकड़ रखा है या नेताओं ने राजनीति को? अब कांग्रेस से ही शुरू कीजिये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या ,श्रीमती सोनिया गाँधी सन्यास के बारे में कोई योजना अभी तक नहीं बना पायीं हैं। भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी राजनीति से सन्यास से कोई इरादा नहीं है। एनसीपी के शरद पंवार हर बार, आखरी बार कहते हैं और हर बार राजनीति से चिपके दिखाई देते हैं। राजद के लालू प्रसाद जी ने अपनी पत्नी और बेटे -बेटियों को भी स्थापित कर दिया लेकिन सन्यास की घोषणा नहीं की। बहन मायावती तो किसी आश्रम में रहीं ही नहीं इसलिए उनके सन्यास आश्रम में जाने का सवाल ही नहीं उठता। सन्यास की उम्र तो बहन ममता बनर्जी की भी हो गयी है लेकिन वे भी इस बारे में शायद सोच नहीं पायी हैं। नीतीश कुमार भी सन्यासी नहीं बनना चाहते। समाजवादियों में भी कोई सन्यासी हो तो आप बताइये? वाम पंथियों में एक ज्योति बासु अपवाद रहे,उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से सन्यास लेकर बुद्धदेव भट्टाचार्य को अपना उत्तराधिकारी बना दिया था ,अन्यथा वामपंथी भी आजन्म नेता होते हैं और मरते समय तक पोलित ब्यूरो सम्हालने का हौसला रखते हैं। मुझे लगता है कि राजनीति में सन्यास शब्द से चिढ़ने वाले ,सन्यास को फालतू की चीज मानने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। किसी दल में कोई ऐसा नेता नहीं है जो स्मिथ की तरह ,सचिन तेंदुलकर ,कपिल देव की तरह अपने सक्रिय जीवन से सन्यास लेने की घोषणा कर अपने चाहने वालों को चौंकाए। अमेरिका में जो वाइडन साहब 80 पार कर भी सन्यासी नहीं बने ,वे तो ईसाई हैं ,उनके यहां शायद सन्यास की व्यवस्था नहीं है।

व्यापार युद्ध भारत के लिए कितना फायदेमंद होगा

सच्चिदानंद शेकटकर

दूसरी बार बने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव के दौरान लिए गए वादों को निभाने में बड़ी सक्रियता के साथ जुट गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने निर्यात शुल्क बढ़ाकर ट्रेड वार यानी व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। ट्रंप ने जो ट्रेड वॉर छेडे का एक तरफा फैसला किया है अब उनको जवाब मिलना भी शुरू हो गया है। सबसे बड़े वैश्विक ट्रेड वार की शुरूआत करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कनाडा, मेक्सिको और चीन से आयात होने वाले कई उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। अमेरिका ने जहां कनाडा और मेक्सिको से स्टील अल्युमिनियम समेत कई धातुओं और अन्य उत्पादों के आयात पर 25 प्रतिशत टैक्स लगा दिया है जबकि कनाडा के ई ऊर्जा उत्पादन के आयात पर अमेरिका ने 10 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। अमेरिका ने चीन से होने वाले हर आयात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगा बढ़ा दिया है पहले यह शुक्ल 10 प्रतिशत था। अमेरिका ने शुल्क लगाने का जो बड़ा फैसला किया है वहीं चीन और कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगा दिया है। चीन ने भी अमेरिका से आयात कई कृषि उत्पादों जैसे चिकन, सोया, मक्का और बीफ पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाने का जवाबी ऐलान कर दिया है। वर्ष 2023 में चीन ने अमेरिका से 33 अरब डॉलर के कृषि उत्पादक आयात किए थे जिस पर अब असर पड़ेगा और इससे चीन को नुकसान भी होगा। वहीं दुनिया के दो बड़े देश अमेरिका और चीन समेत चार प्रमुख देशों के बीच जो व्यापार युद्ध छिड़ा है उसके असर का भी आकलन किया जा रहा है। आकलन इस बात का भी किया जा रहा है कि इस व्यापार युद्ध से भारत को कितना फायदा होने जा रहा है। यह उम्मीद की जा रही है कि इस व्यापार युद्ध से भारत से अमेरिका को निर्यात में 10प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। भारत से कुल 8.40 लाख करोड रुपए का निर्यात अमेरिका को हो सकता है अभी भारत अमेरिका को 7.63 करोड रुपए के समान का निर्यात और 3.65 लाख करोड रुपए का आयात करता है। यह व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में शिपमेंट बढ़ाने में मदद मिलेगी। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 2019 में चीन पर अधिक टैरिफ ड्यूटी लगाई थी तभी भारत चौथा सबसे बड़ा लाभ पाने वाला देश बन गया था। विशेषज्ञों का यह मानना है कि व्यापार युद्ध से भारत को फायदा उठाने के लिए तुरंत होमवर्क करना चाहिए भारत को तीन मोर्चे पर युद्ध स्तर पर काम करना होगा। यह तीन मोर्चे हैं प्रोडक्शन ग्रोथ और डिमांड। प्रोडक्शन बढ़ाने से रोजगार में फायदा मिलेगा लोगों की जेब में ज्यादा पैसा आएगा तो बाजार में डिमांड बढे वाली है इससे इकोनॉमी की ग्रोथ रेट बढ़ जाएगी यह तीनों फैक्टर भारत के पक्ष में जा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष दिन परेशानी वाला हो सकता है और आपके जीवन में समस्याएं काफी बढ़ सकती हैं।

तुला आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके पराक्रम व धन में वृद्धि होगी।

वृषभ आज दिन काफी परेशानियों वाला रहेगा और आपके जीवन में कोई नई परेशानी पैदा हो सकती है।

वृश्चिक आज दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा और आपका दिन आनंद के साथ बीतेगा।

मिथुन आज करियर के मामले में लाभ का दिन है। आपके सभी कार्य सफलता से पूरे होंगे।

धनु आज घर के सामान पर खर्च करना पड़ सकता है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कर्क आज भाग्य साथ दे रहा है और आपका दिन सफलता के साथ प्रगति से भरा होगा।

मकर आज करियर में तरक?की के योग हैं और आपके सुख समृद्धि में वृद्धि होगी।

सिंह आज करियर के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा और आपको साहस व धैर्य से काम लेना होगा।

कुंभ हर मामले में सावधान रहने की सलाह है। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें।

कन्या आपके धन में वृद्धि के योग हैं। राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति रहेगी।

मीन बचत दोनों में वृद्धि देखने को मिलेगी और अच्छा लाभ होने से धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि भी बढ़ेगी।

विशेष

एपिक नंबर पर फंसा चुनाव आयोग

चुनाव आयोग पर लगातार भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाता रहा है। अभी तक विपक्ष के पास सबूत नहीं थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टीम ने एपिक नंबरों की गड़बड़ी ओर उससे हो रहे फजीर्वाड़े को दस्तावेजों के साथ पकड़ लिया है। चुनाव आयोग अब पूरी तरह से फंस गया है। ऐसी स्थिति में सारा विपक्ष सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट हो रहा है। न्यायपालिका के ऊपर विपक्ष को भरोसा नहीं रहा। ऐसी स्थिति में जल्द ही सारे देश में एक बड़े जन आंदोलन की तैयारी सभी विपक्षी दल मिलकर कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने जो फजीर्वाडा किया है। वह आपराधिक कृत्य हैं। सत्यता सामने आने पर केंद्र सरकार और कई राज्य सरकारों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो जाएगा। सरकार अपने आप को बचाने की कोशिश करेगी। विपक्ष जन आंदोलन से सरकार ओर चुनाव आयोग को घेरने की तैयारी कर रहा है।

किसान आंदोलन ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

पिछली बार किसानो की मांग को सरकार ने 1 साल पूरा होने के पहले ही मान लिया था। केंद्र सरकार ने तीनों विवादित कानून को वापस ले लिया था। किसानों को आश्वासन दिया था। वह अभी तक सरकार ने पूरा नहीं किया। शंभू बॉर्डर पर 1 साल से अधिक का समय हो गया है। जहां किसान आंदोलन पर बैठे हैं। पंजाब बॉर्डर सील है। जगजीत सिंह डल्लेवाल 100 दिन से अधिक हो गए, आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। अब किसान आंदोलन का नया रिकॉर्ड बनने जा रहा है। सरकार आंदोलन को खत्म करने की पहल नहीं कर रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1722 अफगानिस्तान और फ्रांस में युद्ध शुरू हुआ था. 1864 मराठी के प्रसिद्ध लेखक हरिनारायण आप्टे का जन्म. 1865 एम्सटर्डम को उत्तरसागर से जोड़ने के लिए नहर बनाने का काम शुरू हुआ. 1904 जर्मनी ने रोमन कैथोलिक पादरियों की वापसी के लिए पुराने आदेश में संशोधन किया. 1949 फ्रांस ने गैर कम्युनिस्ट वियतनाम को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी. 1950 मार्शल पोरोशिलोव ने सोवियत संघ के पास एटम बम होने की घोषणा की. 1965 अमरीका के साढ़े तीन हजार सैनिक दक्षिण वियतनाम गए. 1988 सुरक्षा परिषद ने दक्षिण अफ्रीका में रंग भेद विरोधी संगठनों पर पाबंदी लगाने की निंदा की. 1990 पश्चिम जर्मनी की संसद ने संयुक्त जर्मनी से पोलैंड की सीमाओं का सम्मान करने का आह्वान किया. 1992 संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के कमांडर बेलग्रेड पहुंचे. 1999 केंद्र सरकार ने बिहार में राष्ट्रपति शासन वापस लिया. 2002 उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू.

दैनिक पंचांग

8 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

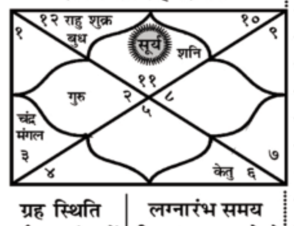

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.39 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	08.09 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.49 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.47 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.01 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.17 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.29 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.40 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.54 ब.से
		धनु	01.10 बजे से
		मकर	03.15 बजे से
		कुंभ	05.02 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 67 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 08.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 23.29 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 16.24 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.17 बजे तदनन्तर तैतिल 19.58 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 52'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872277
जूलियन दिन 2460742.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 07
विशेष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

विमेंस डे पर महिला स्टाफ को दें ये तोहफे

8 मार्च को महिला दिवस पर महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए ऑफिसों में भी गिफ्ट आदि दिए जाते हैं. ऐसे में तोहफा कुछ ऐसा होना चाहिए कि जो महिलाओं के लिए वाकई हेल्पफुल हो और जिसे देखकर उनके चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाए.

महिलाओं को स्पेशल फील करवाने के लिए वैसे तो किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती, लेकिन हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जिसके पीछे का मुख्य उद्देश्य उनको हर क्षेत्र में आगे बढ़ने, सशक्त बनने के लिए प्रेरित करना और उनके अधिकारों को प्रति जागरुक करना है. इस दिन लोग महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए कुछ स्पेशल करना चाहते हैं और इसलिए कार्यस्थलों पर भी महिला स्टाफ के लिए कई जगहों पर तोहफे दिए जाते हैं. महिला दिवस के दिन अगर किसी महिला को तोहफा देकर उनके प्रति आभार व्यक्त करना हो या फिर उन्हें स्पेशल फील करवाना हो तो उन्हें कुछ गिफ्ट दिए जा सकते हैं जो उनके चेहरे पर मुस्कान ला देंगे. तो चलिए जानते हैं कि महिला स्टाफ को कौन से गिफ्ट दिए जा सकते हैं.

फ्री स्पा पैकेज का कूपन

ज्यादातर महिलाएं अपने ऑफिस के साथ ही घर का काम भी संभालती हैं और इसी वजह से खुद की सेल्फ केयर के लिए इतना वक्त नहीं निकाल पाती हैं. इसलिए महिला स्टाफ को अगर विमेंस डे पर कोई गिफ्ट देना हो तो फ्री स्पा पैकेज का कूपन दे सकते हैं. जिससे वो अपनी भागदौड़ भरी लाइफ से कुछ वक्त खुद को दे पाएंगी. ये गिफ्ट देखकर किसी भी महिला को खुशी जरूर होगी.

ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट का कॉम्बो सेट

इसमें कोई दो राय नहीं है कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और बालों को लेकर कोई कोताही नहीं बरतना चाहती हैं, इसलिए उनको ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट्स का कॉम्बो सेट दिया जा सकता है. तो फिर इस विमेंस डे महिला स्टाफ के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन है.

तैयार करवाएं ये स्पेशल गिफ्ट हैंपर

महिलाएं अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं रहती हैं या सीधे-सीधे कहें तो वह खुद से पहले फैमिली को रखती हैं और इसी वजह से कई बार उनकी सेहत नजरअंदाज हो जाती है. इसलिए इस विमेंस डे महिला स्टाफ के लिए हेल्थ से जुड़ी चीजों का स्पेशल गिफ्ट हैंपर तैयार करवा सकते हैं. जिसमें, एक स्मार्ट वॉच, योगा मैट, जंपिंग रोप, कुछ सीड्स और नट्स पैक करवा सकते हैं.

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग।

उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था - 'कीर्तिः श्री वार्क्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'
अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं - 'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'
अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे- खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

इस थीम के साथ मनाया जायेगा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

विश्वभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च के दिन को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिवस को विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित किया गया है। इस दिवस पर लोगों को महिलाओं के प्रति आदर सम्मान, उनके अधिकारों, उनकी उपलब्धियों को बताने के साथ ही लैंगिग समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। Accelerate Action थीम के साथ मनाया जा रहा इस वर्ष का महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत 20 सदी (सन 1908) सदी की शुरुआत में में महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने के लिए हुई थी। पहली बार अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में महिलाओं ने अपने लिए वोट देने का अधिकार एवं उचित वेतन के लिए मार्च निकाला था। इस मार्च के कुछ साल बाद पहले बार 19 मार्च 1911 में स्विट्जरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क जैसे देशों में पहले बार इस दिन को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र ने 8 मार्च को क्यों मान्यता?

रूस में 8 मार्च 1917 को महिलाओं में अपने हक के लिए हड़ताल की। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसी दिन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1975 में आधिकारिक तौर पर इसे 8 मार्च को मनाये जाने की मान्यता दी। इसके बाद से प्रतिवर्ष इसे 8 मार्च को ही सेलिब्रेट किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का क्या है उद्देश्य?

इस दिन को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना तथा लैंगिक समानता और महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास। दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था। सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी।

यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है।

नए युग की नारी के पास उच्चतम शिखर छूने की अपार क्षमता

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं। इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है। 'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है। नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है।

हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

फ्रांस की शिपिंग कंपनी अमेरिका में करेगी 20 अरब डॉलर का निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक फ्रांस की सीएमए सीजीएम अमेरिका में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह निवेश शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में होगा। इससे अमेरिका में 10,000 नई नौकरियों का सृजन होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसका एलान किया। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं को बताया, यह भारी निवेश शिपिंग, लॉजिस्टिक्स, बुनियादी ढांचे और

टर्मिनल विस्तार के क्षेत्र में खर्च होगा और इससे अमेरिका में अनुमानित 10,000 नए रोजगार पैदा होंगे। ट्रंप ने कहा, आज हम सीएमए सीजीएम के चेयरमैन और सीईओ रुडोल्फ साडे के साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक है, और शायद दुनिया में दूसरे नंबर की कंपनी है। आने वाले समय में वह नंबर एक भी बन सकती है। उनके पास 160,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं। दुनिया भर में उनके पास 750 बड़े कंटेनर जहाज हैं और मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वे चुनाव के नतीजों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका पहले एक दिन में एक जहाज बनाता था, लेकिन अब हम अपना रास्ता भूल गए हैं। ट्रंप ने कहा कि दुनिया में बहुत बड़े जहाज बनाने के लिए एक बहुत बड़ा नया कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिपिंग क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

वित्तीय सुरक्षा की चिंता

44 फीसदी महिलाएं खरीद रहीं एक करोड़ का टर्म बीमा, वेतनभोगी सबसे आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में महिलाएं तेजी से वित्तीय सुरक्षा की जिम्मेदारी ले रही हैं। टर्म इंश्योरेंस खरीदने वाली 44 फीसदी महिलाएं अब एक करोड़ रुपये या उससे अधिक का कवर ले रही हैं। पॉलिसीबाजार की रिपोर्ट के अनुसार, निवेश संबंधी पॉलिसियों, स्वास्थ्य बीमा और टर्म जीवन बीमा में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वित्तीय निर्णय लेने में तेजी से बदलाव का हिस्सा है, जो कार्यबल में अधिक भागीदारी व डिजिटल वित्तीय साधनों तक बढ़ती पहुंच से प्रेरित है। चालू वित्त वर्ष में टर्म इंश्योरेंस खरीदने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 18 फीसदी हो गई है। इसमें वेतनभोगी महिलाएं 49 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं।

गृहिणियां दूसरे स्थान पर

39 फीसदी के साथ गृहिणियां दूसरे स्थान पर हैं। 31 से 40 वर्ष की महिलाएं सबसे अधिक बीमा खरीद रही हैं, जो कुल खरीदारी का 48 फीसदी है। स्वास्थ्य बीमा में पॉलिसी प्रस्तावक के रूप में महिलाओं की भागीदारी दो वर्षों में 15 से बढ़कर 22 फीसदी हो गई है। ज्यादा महिलाएं उच्च कवरेज चुन रही हैं, जिनमें से 70-75 फीसदी 10 लाख या उससे अधिक बीमा राशि चुन रही हैं।

सुपर टॉप-अप का उपयोग जोरों पर- 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं बढ़ती चिकित्सा लागत से खुद को सुरक्षित करने पर ध्यान दे रही हैं। कई महिलाएं एक करोड़ के कवरेज को सस्ता बनाने के लिए सुपर टॉप-अप ले रही हैं। निवेश से जुड़ी बीमा योजनाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

फाडा के आंकड़े: दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना छह फीसदी की गिरावट

कारों की खुदरा बिक्री 10 फीसदी घटी

नईदिल्ली, एजेंसी। कारों व दोपहिया समेत विभिन्न श्रेणी के वाहनों की मांग में गिरावट से गाड़ियों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2025 में सालाना आधार पर 7 फीसदी घटकर 18,99,196 इकाई रह गई। फरवरी, 2024 में कुल 20,46,328 वाहन बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कारों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2024 से 10 फीसदी घटकर 3,03,398 इकाई रह गई।

इस दौरान कुल 13,53,280 दोपहिया वाहन बिके। यह आंकड़ा फरवरी, 2024 में बिके 14,44,674 दोपहिया वाहनों की तुलना में 6 फीसदी कम है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी घटकर 82,763 इकाई रह गई, जबकि ट्रैक्टर की बिक्री में भी 14.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। डीलरों का इन्वेंट्री लेवल अब भी 50-52 दिन के स्तर पर है। फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने बयान में कहा, फरवरी में

सभी श्रेणियों में व्यापक गिरावट देखी गई। खुदरा विक्रेताओं ने बिना उनकी सहमति के उन्हें गाड़ियां भेजे जाने के बारे में चिंता जताना शुरू कर दिया। मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अत्यधिक खेप के साथ खुदरा विक्रेताओं पर बोझ डालने से बचना चाहिए। मार्च में वाहनों की बिक्री को लेकर ज्यादातर डीलर आशावादी रूप से सतर्क हैं।

ह्युंडई वाहन बाजार में चौथे स्थान पर खिसकी

घरेलू यात्री वाहन बाजार में लंबे समय से दूसरे स्थान पर कायम ह्युंडई मोटर इंडिया फरवरी में खुदरा बिक्री के मामले में चौथे स्थान पर खिसक गई। फाडा के आंकड़े बताते हैं कि फरवरी में कंपनी ने 20 फीसदी कम वाहन बेचे। इसके साथ ही, उसकी घरेलू बाजार में हिस्सेदारी घटकर 12.58 फीसदी रह गई। मारुति सुजुकी 38.94 फीसदी के साथ शीर्ष पर है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और 13.15 फीसदी के साथ दूसरे और टाटा मोटर्स 12.75 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है।

रेल कंपनी के शेयर बने रॉकेट

नवरत्न कंपनी को साउथ सेंट्रल रेलवे से मिला है काम

नईदिल्ली, एजेंसी। रेल कंपनी राइट्स लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी आई है। नवरत्न कंपनी के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट से ज्यादा चढ़कर 224.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। राइट्स लिमिटेड के शेयरों में यह तेज उछाल एक प्रोजेक्ट मिलने से आया है। रेल कंपनी ने अनाउंस किया है कि उसे 27.96 करोड़ रुपये के एक प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। पिछले 5 दिन में राइट्स लिमिटेड के शेयरों में 12 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। रेल कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 398.45 रुपये है। वहीं, नवरत्न कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 192.40 रुपये है।

नवरत्न कंपनी को साउथ सेंट्रल रेलवे से मिला है काम- नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड को 27.96 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए साउथ सेंट्रल रेलवे से लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। राइट्स को यह प्रोजेक्ट 8 महीने में पूरा करना है। 31 दिसंबर 2024 तक के डेटा के मुताबिक, राइट्स की ऑर्डर बुक 7978 करोड़ रुपये की रही। दिसंबर 2023 में राइट्स की ऑर्डर बुक 5,690 करोड़ रुपये थी। रेल कंपनी के पास फिलहाल 700 प्रोजेक्ट्स हैं जिन पर काम चल रहा है, इसमें सरकार के लिए स्ट्रैटेजिक प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं।

6 महीने में 30 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं राइट्स के शेयर- राइट्स लिमिटेड के शेयर पिछले 6 महीने में 30 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। रेल कंपनी के शेयर 9 सितंबर 2024 को 336.38 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 मार्च 2025 को 224.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक राइट्स लिमिटेड के शेयरों में करीब 25 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। रेल कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को 295.20 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 7 मार्च 2025 को 224.80 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

सख्त होंगे नियम: गोल्ड लोन देना होगा मुश्किल

सोने के मूल्यांकन व कर्ज में आरबीआई को मिली खामियां

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों और वित्तीय संस्थानों को सोने के एवज में कर्ज देना मुश्किल हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई अब इससे संबंधित नियमों को कड़ा करने की योजना बना रहा है। इसमें अंडरराइटिंग प्रक्रियाओं का पालन करने व पैसे के सही उपयोग करने का निर्देश दिया जा सकता है।

आरबीआई को पिछले साल सितंबर में गोल्ड लोन में कई तरह की अनियमितताएं मिली थीं। हाल के समय में सोने के एवज में कर्ज बहुत तेजी से

बढ़ा है। ऐसे में आरबीआई इस पर लगाम लगाना चाहता है। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं (एनबीएफसी) भी उधार लेने वाले ग्राहकों की पृष्ठभूमि की जांच करें।

गिरवी रखे जा रहे सोने के मालिकाना हक का पता लगाएं। आरबीआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि संस्थाएं मानक प्रोटोकॉल का पालन जरूर सुनिश्चित करें और गोल्ड लोन क्षेत्र में कोई भी वृद्धि सीमा से बाहर न हो।

बैंकों के एजेंट ले रहे थे सोना

बैंकों के फिनटेक एजेंट सोना इकट्ठा कर रहे थे। उसका भंडारण और वजन कर रहे थे। नियमों के मुताबिक, यह सब काम बैंकों या कर्ज देने वाले संस्थानों को करना चाहिए। बैंक कर्ज नहीं चुकाने वाले ग्राहकों को जानकारी दिए बिना ही सोने की नीलामी भी कर रहे थे। सितंबर, 2024 से दिसंबर तक बैंकों के गोल्ड लोन में 50 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो समग्र ऋणों की वृद्धि से अधिक है। इस दौरान जांच करने पर आरबीआई को लोन के साथ सोने के मूल्यांकन में भी खामियां मिली थीं।

कंपनी को मिला 2306 करोड़ रुपये का नया काम

नईदिल्ली, एजेंसी। कलपतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल के शेयरों में आज करीब 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस उछाल की वजह नया प्रोजेक्ट बना है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें 2306 करोड़ रुपये का काम मिला है।

लगातार चौथा कारोबारी दिन कंपनी के शेयरों में दिखी तेजी- बीएसई में आज कलपतरु प्रोडेक्ट इंटरनेशनल के शेयर 956.85 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 978.05 रुपये के लेवल पर चला गया। करीब 12 बजे कंपनी के शेयर बीएसई में 940 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहा था। बता दें, यह लगातार चौथा कारोबारी दिन है जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है।

30 देशों में चल रहा है काम- कंपनी को मिला नया काम उसे भारत के बाहर करना है। चालू वित्त वर्ष में कंपनी को 22,500 करोड़ रुपये का काम मिल चुका है। बता दें, यह देश की दिग्गज कंपनियों में से एक है। जोकि ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन, बिल्डिंग्स और फैक्टरीज, वाटर सप्लाई, इरीगेशन, रेलवे, ऑयल एंड गैस पाइपलाइन, अर्बन मोबिलिटी, हाईवे और एयरपोर्ट आदि से जुड़ा काम लेती है। मौजूदा समय में कंपनी 30 से अधिक देशों में काम कर रही है। कलपतरु प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 75 देशों में मौजूद है।

शेयरों के लिए अच्छा नहीं रहा पिछला एक साल- पिछला एक साल इस कंपनी के शेयरों के लिए भी अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि सेंसेक्स इस दौरान 0.33 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीते 2 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 65 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 3 साल में स्टॉक का भाव 148 प्रतिशत बढ़ा है।

2385 पर्सेंट का मल्टीबैगर रिटर्न देने वाला सुजलॉन 4 दिन से भर रहा ऊंची उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर की कीमत लगातार चौथे दिन बढ़ोतरी के साथ आज सुबह के कारोबार में 5 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगाई। सुजलॉन एनर्जी के शेयर 52.13 के पिछले क्लोज के मुकाबले 51.94 पर खुले और फिर 5.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 55 के स्तर तक पहुंच गए। करीब 11:00 बजे तक, यह रिन्यूएबल एनर्जी स्टॉक 4.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.58 पर कारोबार कर रहा था। इन चार सत्रों में, स्टॉक ने लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। 5 साल में इसने 2385 पर्सेंट का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यह स्टॉक 2.20 रुपये से इस मुकाम तक पहुंचा है।

सुजलॉन एनर्जी शेयर प्राइस हिस्ट्री- 6 मार्च के क्लोज के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले एक साल में 35 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की है। अक्टूबर में शेयर में 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, इसके बाद नवंबर में 6 प्रतिशत और दिसंबर में 1 प्रतिशत की गिरावट आई। जनवरी और फरवरी 2025 में, शेयर में क्रमशः 7 प्रतिशत और 14.5 प्रतिशत की गिरावट आई। कुल मिलाकर, अक्टूबर से फरवरी तक शेयर में 38 प्रतिशत की गिरावट आई। सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले साल 14 मार्च को 52-सप्ताह का लो लेवल 35.49 छुआ था, जबकि 12

सितंबर को 52-सप्ताह का हाई 86.04 दर्ज किया था।

क्यों बढ़ रहे हैं सुजलॉन एनर्जी के शेयर भाव- सुजलॉन एनर्जी के शेयर की कीमत 4 मार्च से बढ़ रही है, जब कंपनी ने जिंदल रिन्यूएबल्स के साथ अपने सबसे बड़े कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल ऑर्डर को बढ़ाने की घोषणा की थी। सुजलॉन ने 4 मार्च को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, सुजलॉन ने जिंदल रिन्यूएबल्स की सहायक कंपनी जिंदल ग्रीन विंड 1 प्राइवेट लिमिटेड से 204.75 मेगावाट का तीसरा ऑर्डर हासिल किया है, जो भारत में कम कार्बन डाई ऑक्साइड स्टील क्रांति को और तेज करेगा। यह साझेदारी अब सुजलॉन का सबसे बड़ा कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल ऑर्डर बन गया है, जिसकी कुल क्षमता 907.20 मेगावाट है।

- **जिंदल स्टील हासिल किए ऑर्डर-** सुजलॉन ने आगे कहा, इससे पहले, सुजलॉन ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में जिंदल स्टील के प्लांट्स को पावर देने के लिए दो ऑर्डर हासिल किए थे, जिससे 702.45 मेगावाट की विंड एनर्जी जुड़ी। वर्तमान में, सी एंड आइ कस्टमर्स सुजलॉन के कुल ऑर्डर बुक का 59 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो अब रिकॉर्ड 5.9 गीगावाट तक पहुंच गया है। यह कंपनी के इतिहास में सबसे ज्यादा है।
- **यूनीक कंडीशन में है कंपनी-** सुजलॉन ग्रुप के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जेपी चालसानी ने कहा, दशकों के रिन्यूएबल एनर्जी के अनुभव के साथ, सुजलॉन स्टील और भारी उद्योगों जैसे क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन को आगे बढ़ाने के लिए यूनीक कंडीशन में है। जैसे-जैसे औद्योगिक विकास तेज हो रहा है, सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। सुजलॉन इनोवेटिव विंड एनर्जी सॉल्यूशंस देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नागपुर में शुरू होगा पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क

1500 करोड़ रुपये के निवेश की है योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की औद्योगिक प्रगति और कृषि उत्पादों के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पतंजलि नागपुर के मिहान क्षेत्र में अपना मेगा फूड एंड हर्बल पार्क शुरू करने जा रहा है। यह अत्याधुनिक संयंत्र न केवल किसानों को उनके फलों और सब्जियों का बेहतरीन मूल्य दिलाने में सहायक होगा, बल्कि देश में प्राकृतिक और शुद्ध उत्पादों की मांग को भी पूरा करेगा। नागपुर के मिहान (नागपुर में मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब और एयरपोर्ट) क्षेत्र में पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क में परिचालन 9 मार्च, 2025 से शुरू होना है। मिहान में फूड प्रोसेसिंग यूनिट के लिए भूमि पूजन का कार्य सितम्बर 2016 में शुरू किया गया था।

पतंजलिक के नागपुर प्लांट में सिटरस और ट्रॉपिकल फल व सब्जियों को प्रोसेस करके जूस, जूस कन्सट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन होगा। नागपुर पूरे विश्व में ऑरेंज सिटी के नाम से प्रसिद्ध है, यहां सिटरस फ्रूट्स जैसे संतरा, कीनू, मौसम्मी, नींबू इत्यादि की बहुलता है। इसे देखते हुए पतंजलि ने सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया है। इस सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट में प्रतिदिन 800 टन फ्रूट प्रोसेस करके फ्रोजन जूस कन्सट्रेट तैयार किया जा सकते हैं। यह जूस 100 प्रतिशत प्राकृतिक है और इसमें किसी भी

प्रकार के प्रिजर्वेटिव या शुगर का प्रयोग नहीं किया जाता।

पतंजलि के नागपुर प्लांट में होगा फलों का प्रसंस्करण- इसके साथ-साथ इस संयंत्र में ट्रापिकल फ्रूट्स का भी प्रसंस्करण किया जाता है जिसमें आंवला प्रतिदिन 600 टन, आम प्रतिदिन 400 टन, अमरूद प्रतिदिन 200 टन, पपीता प्रतिदिन 200 टन, सेब प्रतिदिन 200 टन, अनार प्रतिदिन 200 टन, स्ट्रॉबेरी प्रतिदिन 200 टन, प्लम प्रतिदिन 200 टन, नाशपाती प्रतिदिन 200 टन, टमाटर प्रतिदिन 400 टन, लौकी प्रतिदिन 400 टन, करेला प्रतिदिन 400 टन, गाजर 160 टन, एलोविरा 100 टन प्रतिदिन टन प्रोसेस करके वैश्विक विनिर्देश के अनुसार जूस, जूस कन्स्ट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन किया जा सकता है। फलों से सीधे प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को प्राइमरी प्रोसेसिंग कहते हैं।

कोई भी बाय प्रोडक्ट नहीं होगा वेस्ट

पतंजलि के इस प्लांट की एक और खासियत होगी यहां किसी भी बाय प्रोडक्ट को वेस्ट नहीं जाने दिया जाता। उदाहरण के लिए, संतरे से जूस निकालने के बाद इसके छिलके का पूरा प्रयोग जाता है। इसके छिलके में एक कोल्ड प्रेस तेल होता है जिसकी बाजार में काफी मांग है। इसके अलावा नागपुर ऑरेंज बर्फी में रॉ-मैटेरियल के रूप में प्रयोग होने वाला प्रीमियम पल्प भी पतंजलि संतरे से निकाल रहे हैं इसके साथ ही ऑयल बेस्ड अरोमा और वाटर बेस्ड अरोमा एसेंस भी निकाला जा रहा है। कॉस्मेटिक और अन्य वैल्यू प्रोडक्ट्स बनाने के लिए संतरे के छिलके का पाऊडर इस्तेमाल में लाया जाता है। इसके लिए संतरे के छिलके को ड्राइ करके पाऊडर बनाने का भी काम यहां होता है। इस प्लांट में ऐसा कोई भी बाय प्रोडक्ट नहीं है जिसे रिकवर न किया जा रहा हो। इसके अतिरिक्त यहां आटा मिल भी स्थापित की गई है जिसमें प्रतिदिन 100 टन गेहूं को प्रोसेस कर पतंजलि के जालना, आंध्र व तेलंगाना आदि बिस्कुट यूनिट में सप्लाई किया जाता है। इसके लिए पतंजलि गेहूं सीधा किसानों से लेता है।

मंदी का दिख रहा है असर

क्रेडिट कार्ड की संख्या घटकर चार साल के निचले स्तर पर खर्च भी हो रहा कम

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड क्षेत्र में मंदी दिख रही है। जनवरी में इसके कार्ड की संख्या घटकर चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल खर्च में भी गिरावट देखी जा रही है। जनवरी में क्रेडिट कार्ड से कुल खर्च 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो दिसंबर, 2024 में 1.88 लाख करोड़ रुपये रहा था। खर्च और लेन-देन में घटती मासिक वृद्धि

सतर्क उपभोक्ता भावना का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट के बावजूद सालाना आधार पर जनवरी में खर्च में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, दिसंबर में खर्च इसलिए बढ़ा क्योंकि लोगों ने साल के अंत में त्योहारों और नए साल के जश्न के कारण ज्यादा उपयोग किया। लेन-देन का वॉल्यूम भी मासिक आधार पर एक फीसदी घटकर 43 करोड़ रह गया। हालांकि, सालाना आधार पर लेन-देन की वृद्धि 31 फीसदी रही। साथ ही रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2024 के बाद से लेनदेन की मात्रा में यह सबसे कमजोर वार्षिक वृद्धि थी। जनवरी में क्रेडिट कार्ड की संख्या में 12 लाख की कमी आई है। दिसंबर में 11 करोड़ कार्ड थे जो जनवरी में 10.9 करोड़ रह गए। प्रति कार्ड औसत खर्च भी दिसंबर में 17,093 रुपये से घटकर जनवरी में 16,911 रुपये हो गया।

बेन स्टोक्स को मिल सकती है इंग्लैंड टीम की कप्तानी

लंदन, एजेंसी। जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के प्रारूप में अगले कप्तान हो सकते हैं और ईसीबी के निदेशक रॉब की ने कहा कि खुद को 'अविश्वसनीय रणनीतिकार साबित कर चुके इस करिश्माई हरफनमौला के नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख ही होगा। चैम्पियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाले के बाद बटलर ने टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले भारत में श्रृंखला में भी उसे पराजय मिली। 33 बरस के स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर थे। उन्होंने 2023 विश्व कप के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेली है जब उन्होंने इस प्रारूप से विदा लेने का अपना फैसला वापस ले लिया था। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड में पुरूष क्रिकेट निदेशक की ने कहा, 'बेन स्टोक्स सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से है। उसके नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख होगा। उन्होंने कहा, 'वह अविश्वसनीय रूप से अच्छा रणनीतिकार है जो हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा। वह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा पाता है। वह ऐसा इंसान है जो दबाव के हालात में खिलाड़ियों की ढाल बनकर उन्हें खुद पर भरोसा रखने में मदद करता है। स्टोक्स इस समय अबुधाबी में इंग्लैंड लायंस अभ्यास समूह के साथ हैं और भारत के खिलाफ जून से अगस्त तक होने वाली पांच टेस्ट की श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे। इस समय यूएई में मौजूद की का मानना है कि स्टोक्स में वनडे टीम में जोश का संचार करने की क्षमता है जो उसने टेस्ट टीम के साथ किया। स्टोक्स का कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ भी अच्छा तालमेल है जिससे उनकी दावेदारी को बल मिलता है। वैसे मैकुलम के सीमित ओवरों का प्रभार भी संभालने के बाद से इंग्लैंड ने 11 में से 10 मैच गंवाए हैं। वहीं 2022 से इंग्लैंड ने 35 में से 32 टेस्ट जीते हैं।

सुनील छेत्री फिर करेंगे वापसी

भारतीय फुटबॉल के लिए यह एक बहुत बड़ी खबर है। 40 वर्षीय स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री ने तत्काल प्रभाव से संन्यास से वापसी करने का फैसला किया है। सुनील छेत्री ने मार्च 2025 से शुरू होने वाले आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो में भारतीय टीम की मदद करने के लिए यह फैसला लिया है। वह 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ एएफसी एशियन कप 2027 के क्वालिफायर के तीसरे दौर में खेलेंगे। शिलांग का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम भारतीय सीनियर पुरुष टीम के दो मैचों की मेजबानी करेग. इस संबंध में इंडियन फुटबॉल टीम की ओर से 6 मार्च 2025 को ङ्ग पर एक पोस्ट शेयर की गई। पोस्ट में सुनील छेत्री की तस्वीर के साथ जो कैप्शन दिया गया, उसमें लिखा था, 'कप्तान, लीडर, दिग्गज खिलाड़ी मार्च में फीफा इंटरनेशनल विंडो के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे।' सुनील छेत्री ने यह कदम अपने शानदार करियर के बाद संन्यास की घोषणा के एक साल से भी कम समय बाद उठाया है। उनके संन्यास के बाद भारतीय फुटबॉल में एक बड़ा खालीपन पैदा हो गया है जिसे भरना अभी बाकी है। भारत के सर्वकालिक अग्रणी गोल-स्कोरर सुनील छेत्री ने पिछले साल जून में कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने भारतीय टीम को आंसुओं के साथ अलविदा कहा था। तब भारत ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला था। सुनील छेत्री पुरुष फुटबॉल में सर्वकालिक अग्रणी गोल करने वालों की सूची में केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई से पीछे हैं।

इंग्लैंड सीरीज के लिए भूख और बढ़ गई है दोनों हाथों से मौका लपकने को तैयार हूं

टीम इंडिया में वापसी पर बोले चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में से एक चेतेश्वर पुजारा फिलहाल टीम से बाहर चल रहे हैं। हालांकि, वह भारतीय टीम में वापसी का मौका हासिल करने और जोरदार कमबैक करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चेतेश्वर पुजारा भारतीय टेस्ट टीम के नंबर 3 स्थान के मजबूत स्तंभ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में उनकी शानदार पारियों और दृढ़ संकल्प को कौन भूल सकता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से उनकी फॉर्म में गिरावट देखी गई। इसके चलते डब्ल्यूटीसी

2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाकामी के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा, खासकर अंतिम 4 टेस्ट में नंबर 3 की स्थिति टीम के लिए एक बड़ी समस्या बनी रही। ऐसे में, चेतेश्वर पुजारा की गैरमौजूदगी को काफी महसूस किया गया। अब सवाल यह उठता है कि क्या पुजारा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर वापसी कर सकते हैं? क्या चयनकर्ता उन्हें एक और मौका देंगे? चेतेश्वर पुजारा ने एक मीडिया कंपनी के कॉन्क्लेव में ऐसे ही कुछ सवालों के बेबाकी से जवाब दिये। भारत का अगला टेस्ट असाइनमेंट एक और विदेशी दौरा है। उसे इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज खेलनी है, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी। यह सीरीज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के समापन के बाद जून 2025 में शुरू होगी। इस सीरीज से पहले क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच चर्चा तेज हो गई है कि क्या चेतेश्वर पुजारा की भारतीय टीम में वापसी होगी?

फिलहाल, चेतेश्वर पुजारा सौराष्ट्र की रणजी ट्रॉफी टीम का हिस्सा हैं। इस सीजन उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा, लेकिन उन्होंने दो अहम पारियां खेलीं। छत्तीसगढ़ के खिलाफ 234 रन और असम के खिलाफ 99 रन की पारियां। रणजी ट्रॉफी में भले ही उनका प्रदर्शन मिश्रित रहा हो, लेकिन विदेशी परिस्थितियों में उनका अनुभव और सफलता उन्हें टीम में वापसी का मजबूत दावेदार बनाती है।चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया सबसे मुश्किल है। भारत ऑस्ट्रेलिया से हारना कभी पसंद नहीं करता, इसलिए 2018 और 2020-21 की जीत विश्व कप जीतने जैसी थी। यह मेरे टेस्ट करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि थी।'चेतेश्वर पुजारा ने टीम इंडिया में अपनी वापसी को लेकर कहा, 'मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा हूं। अगर मौका मिला, तो मैं उसे दोनों हाथों से लपक लूंगा। मेरी भूख अब और भी ज्यादा बढ़ गई है। जब आप उम्रदराज होते हैं, तो आपको और ज्यादा मेहनत करनी होती है।' चेतेश्वर पुजारा इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के लिए जी-तोड़ मेहनत भी कर रहे हैं। वह 22 की जगह 18 गज की दूरी से गेंदों का सामना कर रहे हैं। पुजारा ने अपनी तैयारी पर कहा, '16-18 गज की दूरी से सीमेंट की पिच पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और अंडर-19 दिनों के साथी कुलदीप शर्मा का सामना किया।'

हर दिन होना चाहिए महिला दिवस: साक्षी मलिक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रसिद्ध महिला पहलवान साक्षी मलिक ने न्बातचीत के दौरान महिला दिवस के मौके पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत अनुभवों को उजागर किया, बल्कि समाज में बदलते परिवेश और महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक का मानना है कि महिलाओं के संघर्ष और योगदान को केवल एक दिन तक सीमित नहीं करना चाहिए। साक्षी मलिक का कहना है कि महिलाओं को किसी एक खास दिन, जैसे 8 मार्च को मनाया जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके अनुसार, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला अपने जीवन में कई तरह के संघर्षों का सामना करती है। साक्षी ने कहा, जब मैंने कुश्ती शुरू की थी, तब मुझे बेहद कम संसाधनों के साथ तैयारी करनी पड़ी थी। इन कठिनाइयों के बावजूद मैंने न केवल अपने करियर में सफलता हासिल की, बल्कि मां बनने के बाद भी अपने कार्यों को संतुलित किया। एक मां के पास कई जिम्मेदारियां होती हैं और वह इन सभी को एक साथ संभाल सकती है। इसलिए, महिलाओं के योगदान को हर दिन सम्मान मिलना चाहिए। साक्षी ने कहा कि पहले हरियाणा में लड़के और लड़कियों के बीच बहुत भेदभाव होता था। लेकिन अब इसमें काफी बदलाव आया है। उन्होंने अपने मेडल जीतने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उनकी सफलता ने समाज की सोच को बदलने में मदद की। महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर फिल्में बनीं, जिसके बाद लोग अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए। आज लड़कियां हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं, चाहे वह खेल हो या कोई अन्य क्षेत्र। साक्षी ने हाल के ओलंपिक का उदाहरण दिया, जहां हरियाणा की मनु भाकर ने इतिहास रचकर यह साबित कर दिया कि लड़कियां किसी से कम नहीं हैं।

श्रेयस अय्यर को मिल सकता है बड़ा इनाम

बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद बनाया ऐसा करने का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। कुछ खिलाड़ी होते हैं जिनका नाम होता है. और, कुछ वो होते हैं, जिनका नाम तो नहीं होता पर काम बोलता रहता है. श्रेयस अय्यर इसी दूसरी कैटेगरी के खिलाड़ी है. विराट-रोहित जैसे बड़े नामों के बीच भले ही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनका नाम उतना नहीं गूंज रहा लेकिन उनके अपने बल्ले के जोर पर वो टूर्नामेंट के टॉप रनवीरों में शामिल हैं. अय्यर को उनके उसी प्रदर्शन का चैंपियंस ट्रॉफी के बाद इनाम मिल सकता है. खबर है कि बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के खत्म होने के बाद खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट को रिन्यू करेगी, जिसमें फिर से श्रेयस अय्यर की एंट्री हो सकती है.

अय्यर की होगी नए कॉन्ट्रेक्ट में वापसी!

तो क्या अभी तक श्रेयस अय्यर बीसीसीआई की सालाना कॉन्ट्रेक्ट प्लेयर लिस्ट से बाहर थे? जी हां, वो बाहर थे क्योंकि पिछले साल बीसीसीआई ने उन्हें अनुशासनहीनता का दोषी पाते हुए एक्शन लिया था. उन्होंने घरेलू क्रिकेट ना खेलकर बीसीसीआई का नियम तोड़ा था. लेकिन, अब कहानी बदल चुकी है. श्रेयस अय्यर ने ना सिर्फ उस घटना से सबक लिया है बल्कि खुद में पहले से कहीं ज्यादा मैच्योरिटी भी लेकर आए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद खिलाड़ियों के सालाना करार को रिन्यू करने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि वो इसआईसीसी टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन की समीक्षा करना चाहती थी. नए कॉन्ट्रेक्ट में खिलाड़ियों के ग्रेड को लेकर फैसला उनके तीनों फॉर्मेट में प्रदर्शन के आधार पर होगा. रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि बीसीसीआई ग्रेड ए प्लस की भी समीक्षा करेगी , जिसमें अभी रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा हैं.

रोहित-विराट होंगे टॉप ग्रेड से बाहर?

रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में रोहित-विराट और जडेजा की जगह खतरे में है. इन तीनों को टॉप ग्रेड यानी ग्रेड ए प्लस से बाहर किया जा सकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि बीसीसीआई वहां सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों को तरजीह देने की सोच रही है, जो तीनों फॉर्मेट खेल रहे हैं. रोहित, विराट और जडेजा तीनों ही टी-20 फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं. वहीं टेस्ट सीजन में भी उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है. हालांकि, रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के साथ इनके पोजिशन की सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में बचने की उम्मीद है.

फीफा ने पाकिस्तान-रूस समेत इन देशों को फुटबॉल वर्ल्ड कप से किया बैन, बड़ी वजह आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है. वहीं, भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान दौरे से इनकार कर दिया. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मैच दुबई में खेल रही है. वहीं, अब क्रिकेट के बाद पाकिस्तान को फुटबॉल में झटका लगा है. दरअसल, फीफा ने पाकिस्तान के अलावा रूस और कॉन्गो को वर्ल्ड कप 2026 से बैन कर दिया है. चैंपियंस ट्रॉफी में किरकिरी के बाद फीफा वर्ल्ड कप से बैन होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है.

फीफा ने पाकिस्तान को क्यों किया बैन

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको करेगा. इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार 48 टीमें भाग लेंगी. लिहाजा, यह टूर्नामेंट काफी बड़ा होने वाला है. लेकिन इस बीच फीफा ने पाकिस्तान के अलावा रूस और कांगो को बैन कर दिया है. अब सवाल है

कि इन देशों को बैन क्यों किया गया? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की गारंटी देने वाला नया संविधान नहीं अपनाया. जबकि फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने इसे लागू करने की शर्त रखी थी.

फीफा ने रूस को किया बाहर

वहीं, रूस फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए योग्यता की आवश्यकता को पूरा नहीं कर पा रहा है. दरअसल, तकरीबन 3 साल पहले रूसी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को यूक्रेन पर आक्रमण से शुरू होने वाले स्र्रद्धद्ध और श्वस्र् दोनों के तहत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बैन कर दिया गया था. लिहाजा, यह बैन रूस पर जारी रहेगा.

इसके अलावा फीफा ने कांगोलीज फुटबॉल फेडरेशन के प्रबंधन में अवैध तरीके से तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का हवाला दिया है. साथ ही कांगो को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है. बताते चलें कि फीफा नियमों के मुताबिक, फुटबॉल प्रशासन में बाहरी प्रभाव की अनुमति नहीं है, लेकिन कांगो समय के साथ समस्या का समाधान करने में नाकाम रहा है. लिहाजा, अब फीफा ने कांगो को बैन कर दिया है.

बस 9 मार्च का इंतजार... कीवियों से हर दर्द का हिसाब लेगी रोहित ब्रिगेड

9 मार्च 2025 की तारीख... भारतीय टीम न्यूजीलैंड (कीवी टीम) से चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल के दिन 3 इंतकाम लेगी... क्रिकेट के मैदान पर जो जख्म कीवी टीम ने साल 2000 में पहली बार दिया, 2019 में दूसरी बार, 2021 में तीसरी और हाल फिल्हाल में 2024 में चौथी बार... इन सभी का बदला लेने का समय गया है.

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टीम इंडिया चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को रौंदकर सारा पुराना हिसाब सूद समेत वसूलने के लिए उतरेगी. न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया का लास्ट मोमेंट पर कई बार खेल बिगाड़ा है. कई बार भारतीय टीम को हार का जख्म दिया है. वो भी तब, जब भारतीय टीम बड़े खिताब की ओर अग्रसर थी. इन 4 पलों के दौरान भारतीय टीम के जीतने की सबसे ज्यादा दावेदारी जताई गई, लेकिन न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया के सारे समीकरण फेल कर दिए.

आपको पहले करीब दो दशक पहले ले चलते हैं, साल 2000 था, तारीख 15 अक्टूबर थी, मैदान नैरौबी का था. मौका भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल का था. तब के भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 119 रनों की पारी खेली, सर्चा?न तेंदुलकर ने 69 रन बनाए और स्कोर बना 264/6.

इसके बाद न्यूजीलैंड ने रनचेज

शुरू किया, भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत में ही न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी. क्रेग स्पीयरमैन (3) कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग (5) दोनों को वेंकटेश प्रसाद ने चलता कर दिया. 132 के स्कोर तक आते-आते न्यूजीलैंड के पांच विकेट धड़ाम हो गए, यहां से लगा कि भारतीय टीम इस मुकाबले को आसानी से जीत लेगी.

लेकिन यहीं से क्रिस केयर्न्स और क्रिस हैरिस (46) ने ऐसा खूंटा गाड़ा कि अपनी टीम को जीत दिलाकर ही दम ली. केयर्न्स तो 102 रनों पर नाबाद लौटे. इस तरह न्यूजीलैंड ने पहली बार कोई आईसीसी का टूर्नामेंट जीता. यह पहली बार था जब न्यूजीलैंड ने भारत का सपना किसी आईसीसी टूर्नामेंट में तोड़ा था.

आज से थोड़ा सा पीछे चलते हैं, वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के ओपनिंगसीजन का फाइनल जून 2021 में खेला गया था. भारत और न्यूजीलैंड की टीम इस फाइनल को खेल रही थीं. लेकिन इस मुकाबले में एक बार फिर से न्यूजीलैंड की टीम भारत पर भारी पड़ी. न्यूजीलैंड ने इस फाइनल को 8 विकेट से जीता. इस पूरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम कहीं से भी लय में नहीं दिखी. यह दूसरी बार था, जब 2000 की चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद न्यूजीलैंड ने किसी बड़े द्धष्ट के टूर्नामेंट में भारत को रौंदा हो.

बागी 3 के 5 साल पूरे !

एक्शन ब्लॉकबस्टर ने हासिल किया नया माइलस्टोन, टाइगर श्रॉफ बागी 4 के लिए तैयार !

बागी 3 को सिनेमाघरों में आए पांच साल हो चुके हैं, और इस फिल्म ने एक बार फिर साबित कर दिया कि टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के सबसे बड़े एक्शन सुपरस्टार हैं। जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, दमदार स्टंट और टाइगर की बेमिसाल फिटनेस के साथ एक्शन को फिर से परिभाषित किया, और इस फिल्म को एक नया बेंचमार्क बना दिया था। जबकि प्रशंसक इस माइलस्टोन का जश्न मना रहे हैं, टाइगर श्रॉफ पहले ही बागी फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म की शूटिंग में जुट चुके हैं। बागी 4 का एक्शन पहले से भी ज्यादा दमदार होने वाला है। बागी 4 वर्तमान में निर्माण में है और 5 सितंबर, 2025 को रिलीज़ होने वाली है। हर फिल्म के साथ टाइगर एक नया मुकाम हासिल कर रहे हैं, जिससे वह बॉलीवुड के सबसे युवा एक्शन किंग बन चुके हैं। बागी 3 के धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस से लेकर बहुप्रतीक्षित बागी 4 तक, इस फ्रेंचाइजी की विरासत और भी मजबूत होती जा रही है।

'मिर्जापुर' की गोलू अब बनाएंगी फिल्म

'मिर्जापुर' फेम अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अभिनय के बाद अब फिल्म निर्माण से भी जुड़ने के लिए तैयार हैं। उनके पास कई जॉनर की फिल्में हैं। अपने आगामी प्रोजेक्ट से वह निर्माता के तौर पर

जुड़ने वाली थीं, लेकिन फिर उन्होंने निर्माता बनने का फैसला ले लिया। 'मिर्जापुर' फेम अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अभिनय के बाद अब निर्माता के तौर पर इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हैं। उनके पास कई जॉनर के प्रोजेक्ट्स हैं। श्वेता को पहले प्रोडक्शन में बनी फिल्म दो महिलाओं के बीच की प्रेम कहानी पर आधारित होगी। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने एक अभिनेता के रूप में एंट्री ली थी, लेकिन बाद में निर्माता के रूप में जुड़ने का फैसला लिया। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने ऐसा क्यों किया?

क्यों लिया फिल्म का निर्माता बनने का फैसला?

निर्माता के तौर पर फिल्म से जुड़ने के फैसले के बारे में बात करते हुए श्वेता त्रिपाठी ने कहा, जब एक एक्टर के रूप में यह स्क्रिप्ट मेरे पास आई तो मैं तुरंत इसकी संवेदनशीलता और जिस तरह से इसमें प्रेम को उसके शुद्ध रूप में दर्शाया गया था.

मुश्किल में हनी सिंह !

मशहूर अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने गायक हनी सिंह के नए गाने मेनियक के खिलाफ पटना हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत में एक अर्जी दाखिल करके कहा है कि गाने में असभ्यता दिखाई गई है। मशहूर अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने गायक हनी सिंह के नए गाने मेनियक के खिलाफ पटना हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत में एक जनहित याचिका दाखिल करके कहा है कि गाने में असभ्यता दिखाई गई है। हनी सिंह का गाना मेनियक हाल ही में यूट्यूब पर रिलीज हुआ है। एक महीने में गाने पर सात मिलियन व्यूवज आ चुके हैं। इसमें ईशा गुप्ता ने डांस किया है।

जनहित याचिका में इन लोगों का भी है नाम

इस जनहित याचिका पर इसी महीने सुनवाई हो सकती है। जनहित याचिका में हनी सिंह के अलावा उन लोगों के भी नाम हैं जिन लोगों ने इस गाने को बनाने में साथ दिया है। इसमें गीतकार लिओ ग्रेवाल और भोजपुरी गायिका रागिनी विश्वकर्मा और अर्जुन अजनबी का भी ना है।

अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक को बताया स्पेशल

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक में निभाए किरदार को खास बताया है। उनके मुताबिक ये एक अविश्वसनीय यात्रा थी। बच्चन को क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के 7वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिषेक ने कहा, फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड द्वारा आई वांट टू टॉक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकित होना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। यह फिल्म एक अविश्वसनीय रूप से खास यात्रा रही है, और आलोचकों के ऐसे सम्मानित पैनल द्वारा मेरे प्रदर्शन को मान्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस मान्यता के लिए मैं फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड का आभार व्यक्त करता हूं।

आई वांट टू टॉक एक ड्रामा फिल्म है, जिसे शूजित सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में हैं और यह अर्जुन सेन की सच्ची कहानी पर आधारित है। कैंसर सर्वाइवर अर्जुन कैसे अपनी सेहत और बेटी के साथ उलझते रिश्तों को संभालने की जद्दोजहद में जुटे हैं, इस पर फिल्म केंद्रित है। विषय गहरे मानवीय और भावनात्मक संघर्षों को उजागर करता है। कोंकणा सेन शर्मा को भी क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के लिए नामांकन मिला है। कोंकणा को किलर सूप के लिए नॉमिनेट किया गया है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा, ये हमेशा सम्मान की बात होती है। चूंकि ये अभिषेक चौबे की किलर सूप के लिए है, इसलिए और भी खास है। किलर सूप एक ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है, जो अभिषेक चौबे द्वारा निर्देशित है। इस सीरीज में कोंकणा सेन शर्मा और मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं और यह 2017 में तेलंगाना में हुई एक घटना पर आधारित है। इस वर्ष क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में एक नई श्रेणी डॉक्युमेंट्री की शुरुआत की गई है। इस श्रेणी का उद्देश्य भारत की सभी भाषाओं और प्लेटफार्म्स में उत्कृष्टता को मान्यता देना है। इस नई श्रेणी के साथ, पुरस्कार भारत के समृद्ध सांस्कृतिक और रचनात्मक परिदृश्य को उजागर करने वाली आवाजों के लिए एक केंद्रीय मंच प्रदान करेंगे। पुरस्कार का उद्देश्य लघु फिल्मों, वेब सीरीज, वृत्तचित्रों और फीचर फिल्मों की उत्कृष्ट कहानियों का सम्मान करना है।

कनी कुसरुति, जिन्हें गर्ल्स विल बी गर्ल्स, पोचर और ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट में अपने अभिनय के लिए तीन श्रेणियों में नामांकित किया गया है, ने कहा, तीन अलग-अलग श्रेणियों में नामांकित होना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इससे अभिभूत हूं।

मैंने बड़ा बनने के लिए अपने नैतिक मूल्यों से कभी नहीं किया समझौताः कृतिका कामरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने एक्टिंग की दुनिया में अपने सफर के बारे में बात की। कृतिका ने बताया कि उन्होंने कभी भी बड़ा बनने के लिए अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया।

कृतिका ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि खुद के प्रति ईमानदार रहना सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा, मैंने बड़ा बनने के लिए कभी भी अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया।

मेरे लिए, मेरा सफर हमेशा अपने द्वारा चुने गए विकल्पों पर गर्व करने के बारे में रहा है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ मशहूर या स्पॉटलाइट में रहने का सवाल नहीं है, बल्कि यह रात में सुकून सो पाने के लिए था। चाहे इंडस्ट्री कितनी भी चुनौतीपूर्ण या ग्लैमरस क्यों न हो मैंने अपने मूल्यों के साथ समझौता नहीं किया और इस वजह से ही मैं अपनी जड़ से जुड़ी रही। कृतिका ने स्पष्ट किया है कि वह आकर्षण की तुलना में कंटेंट को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कहा, मैं ट्रेंड का पीछा नहीं करना चाहती और न ही इंडस्ट्री के दबावों के अनुरूप होना चाहती।

मैं चाहती हूं कि मेरा काम मेरे विश्वास, मेरे टेस्ट और मेरी ग्रोथ को दर्शाए। मैं जो भूमिकाएं चुनती हूं, वे मेरे व्यक्तित्व का विस्तार हैं। मेरे लिए, यह ऐसी कहानियां बताने के बारे में है, जो लोगों के साथ जुड़ती हैं और एक स्थायी छाप छोड़ती हैं। कृतिका मटका किंग में नजर आएंगी। यह मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की दुनिया को दर्शाती है। इस सीरीज में विजय वर्मा भी हैं, जो मटका किंग की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। कृतिका ने जनवरी में साझा किया था कि वह साहसिक निर्णय लेने में विश्वास करती हैं और उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्रोजेक्ट से दूरी बना ली है जो पुरुषों की नजर को प्राथमिकता देते हैं।

चेक बाउंस मामले में राम गोपाल वर्मा पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, गैर-जमानती वारंट जारी

चेक बाउंस मामले में राम गोपाल वर्मा को राहत नहीं मिली है। उन्हें बड़ा झटका लगा है। निर्माता पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। दरअसल, मुंबई की एक अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

मशहूर फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा को चेक बाउंस मामले में तगड़ा झटका लगा है। मामले में निर्माता की तरफ से दाखिल जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। साथ ही गैर-जमानती वारंट जारी किया है। राम गोपाल वर्मा पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी है।

निर्माता की याचिका खारिज

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मुंबई की एक सत्र अदालत ने चेक बाउंस मामले में जेल की सजा निलंबित करने की फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा की याचिका खारिज करते हुए उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। इससे पहले, 21 जनवरी को अंधेरी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) वाई पी पुजारी ने राम गोपाल वर्मा को इस मामले में दोषी ठहराया था।

अदालत में पेश नहीं हुए राम गोपाल वर्मा

मजिस्ट्रेट ने फिल्म निर्माता को तीन महीने की जेल की सजा सुनाई थी। साथ ही तीन महीने के भीतर शिकायतकर्ता को करीब 3.72 लाख रुपये का भुगतान

करने का निर्देश दिया था। इसके बाद फिल्म निर्माता ने सत्र न्यायालय में अपील दायर कर सजा को निलंबित करने की मांग की। हालांकि, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए ए कुलकर्णी ने 4 मार्च को उनकी याचिका खारिज कर दी और फिल्म निर्माता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। राम गोपाल वर्मा सुनवाई के दौरान अदालत में पेश नहीं हुए, इसके बाद अदालत ने यह फैसला लिया। अदालत ने निर्माता की जेल की सजा को निलंबित करने की याचिका खारिज कर दी।

कब होगी अगली सुनवाई?

राम गोपाल वर्मा की तरफ से उनके वकील, दुरेंद्र के.एच. शर्मा ने अदालत में जमानत के लिए आवेदन किया था। वकील ने दो अलग-अलग आवेदन पेश किए थे, एक जमानत के लिए और दूसरा सजा पर रोक लगाने के लिए। लेकिन वर्मा की गैरमौजूदगी के कारण इन दोनों ही याचिकाओं को अदालत ने खारिज कर दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। इसी दौरान निर्माता के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन की रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

हीरो-हीरोइन के बीच वेतन असमानता पर शेफाली शाह ने तोड़ी चुप्पी

फिल्मी दुनिया में हीरो और हीरोइन को मिलने वाले वेतन में जमीन-आसमान का अंतर होता है। इस गैर-बराबरी पर अक्सर बातें होती हैं। हाल ही में शेफाली शाह ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड में भी लैंगिक असमानता ने पावं पसारे हुए हैं। हीरो और हीरोइन को मिलने वाला वेतन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। समय-समय पर इस मसले पर बातें और चर्चा भी होती हैं। हाल ही में चर्चित अभिनेत्री शेफाली शाह ने भी इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

श्रुति हासन ने बताई अपनी जिंदगी की कहानी

अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपनी जिंदगी की कहानी शेयर की है और बताया है कि वह सुबह जल्दी उठने वाली व्यक्ति नहीं हैं। सिने आइकन कमल हासन की बेटी श्रुति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर श्रुति की एक सेल्फी लग रही है जिसमें वह कार की पिछली सीट पर बैठी हैं। उनके बाल गीले हैं और बहुत कम मेकअप में उनका लुक नेचुरल लग रहा है। फोटो में वह थोड़ी गंभीर दिख रही हैं। तस्वीर के नीचे लिखा है, मैं सुबह जल्दी नहीं उठती। मेरी जिंदगी की कहानी। श्रुति की ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'द आई' ने 5वें वेंच फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग फीचर के रूप में भारत में अपना प्रीमियर किया। ग्रीस के लुभावने परिदृश्यों पर आधारित, 'द आई' में श्रुति ने डायना का रोल निभाया है। कहानी में डायना की भावनात्मक यात्रा दिखाई गई है जिसमें उनके पति का देहांत हो चुका है। फिल्म का निर्देशन डेफ्ने श्मोन ने किया है और इसका निर्माण फिंगरप्रिंट कंटेंट ने किया है। यह श्रुति हासन की बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शुरुआत है। सपना भवनानी द्वारा स्थापित, वेंच फिल्म फेस्टिवल भारत का अग्रणी मंच है जो हॉरर, साइंस-फिक्शन और फंतासी सिनेमा को समर्पित है। मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, द आई एक गहन सिनेमाई अनुभव प्रदान करती है, जो दर्शकों को रोमांचित करता है।

साभार एजेंसी